

संक्षिप्त समाचार

संचय महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं हुई सम्मानित



रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व महिला दिवस के अवसर पर नवसृजन मंच छत्तीसगढ़ द्वारा वृंदावन हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संचय महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं का सम्मान किया गया। यह सम्मान उन्हें समाज में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रदान किया गया। संचय महिला स्व-सहायता समूह के पदाधिकारियों ने बताया कि वे अपने समूह द्वारा समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में सामाजिक गोद भराई, अन्नप्रासन, स्नेह शिविर, दत्तकपुत्री, पोषण आहार, शासकीय योजनाओं के लाभ को हितग्राहियों तक पहुंचाने जैसे जनजागरण के कार्य जनहित में किया जाता है। इस कार्यक्रम में समूह की अध्यक्ष गीता साहू, उपाध्यक्ष टेमिन साहू, सचिव हेमलता साहू, कोषाध्यक्ष प्रीति साहू, अनिता साहू, ललिता विश्वकर्मा, मंगतीन साहू, सीता साहू, धनेश्वरी साहू, रूक्मिणी यादव एवं अन्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के आयोजक एवं अतिथियों में अध्यक्ष अमरकान्त सिंह छाबड़ा, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पांडे, विशिष्ट अतिथि डीएसपी ललिता मेहर आदि विशेष रूप से उपस्थित रहीं। जिन्होंने अपने उद्बोधन में महिलाओं के वित्तीय साक्षरता एवं आत्मनिर्भरता की प्रशंसा की एवं अन्य सुलभ जानकारीयें उपलब्ध कराईं। सभी ने इस पूजित अवसर पर सम्मानित महिलाओं को शुभकामनाएं दीं।

जिले से 27 अग्निवीर युवाओं का चयन



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारतीय थल सेना (अग्निवीर) में छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने वाले 870 युवाओं का चयन किया गया है। इनमें बलौदाबाजार भाटापारा जिले से 27 अग्निवीर युवा शामिल हैं। सभी चयनित अग्निवीर युवाओं का सम्मान समारोह 14 मार्च गुरुवार को सुबह 9 बजे राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक भवन में आयोजित किया गया है। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं गृह, जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तहसीली की शिक्षा, रोजगार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री विजय शर्मा होंगे। कलेक्टर के एल चौहान ने बधाई एवं शुभकामनाओं के साथ युवाओं के वाहन को आज ही ड्राइव दिखाकर कलेक्टर परिसर से रायपुर के लिए रवाना किया। उक्त सम्मान समारोह में शामिल होने वाले चयनित युवाओं के लिए जिला प्रशासन की ओर से समुचित व्यवस्था की गई है। उक्त मौके पर डिप्टी कलेक्टर आर आर दुबे, जिला रोजगार अधिकारी सुश्री मनोरमा भगत उपस्थित रहे।

पत्रकार पंकज स्वामी के निधन पर किरण सिंह देव ने शोक व्यक्त किया

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार पंकज स्वामी के निधन पर गहन शोक व्यक्त कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री देव ने कहा कि एक निर्भीक कलमकार के तौर पर स्व. स्वामी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उनके निधन से उत्पन्न शून्य की भरपाई नहीं होगी। श्री देव ने अपने शोक संदेश में स्व. स्वामी के परिजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त कर मृतात्मा की चिर शांति की प्रार्थना की है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 01 रायपुर

मामले की श्रेणी राजस्व
संदर्भ:- जिला- रायपुर तहसील- रायपुर प.ह.न.-00034 अटारी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202324440721600017

इशतहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00034 के अंतर्गत ग्राम अटारी के वर्तमान भूमिस्वामी घासीराम पिता/पति- दीनबन्धु पता- टाटीबंध रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 192/15(0.0464) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्री राकेश साहू पिता/पति- श्री बिहाराराम साहू पता- अम्बेडकर नगर रायपुर (छ.ग.) के नाम पर पंजीयन/फ़ीती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचारार्थी है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18/03/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी। 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इशतहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/03/2024 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार RAJKUMAR SAHU रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 01 रायपुर

मामले की श्रेणी राजस्व
संदर्भ:- जिला- रायपुर तहसील- रायपुर प.ह.न.-00034 अटारी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CG-2023-24-107-1-8017

इशतहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00034 के अंतर्गत ग्राम अटारी के वर्तमान भूमिस्वामी AVADHESH KUMAR JAIN पिता/पति-NA पता- SATTI BAZAR RAIPUR C.G. के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 192/11(0.1770), 192/6(0.1770) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता AVADHESH KUMAR JAIN पिता/पति- LATE JAGDISH JAIN पता- SATTI BAZAR RAIPUR C.G. के नाम पर पंजीयन/फ़ीती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचारार्थी है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13/03/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 01 रायपुर पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इशतहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/02/2024 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार RAJKUMAR SAHU रायपुर (छ.ग.)

रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार

रायपुर, गुरुवार 14 मार्च 2024

शुरु हो चुकी है विकसित छत्तीसगढ़ की यात्रा : मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

पांच साल बाद पुनः लौटी राजिम कुंभ की भव्यता, प्रदेश के 25 हजार स्कूलों में होगी इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई, प्रदेश में 33 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की शुरु हुई कार्यवाही

रायपुर (विश्व परिवार)। शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 3 माह के अल्प समय में ही कई बड़े फैसले और दूरगामी निर्णय लिए हैं। आने वाले समय में विकसित भारत की संकल्पना को पूर्ण करने के लिए छत्तीसगढ़ में भी तैयारियों को जा रही हैं। विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की गतिविधियां तय की गई हैं।

संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपने विभागों के 3 महीनों की प्रोग्रेस रिपोर्ट पर जानकारी देते हुए बताया कि विकसित छत्तीसगढ़ बनाने राज्य में नई शिक्षा नीति को लागू करने जा रहे हैं। स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के अधोसंरचना को मजबूत कर रहे हैं। स्कूल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए बजट में 265 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। सनातन संस्कृति के प्रति गौरव का भाव जगाने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए त्रिवेणी संगम भव्य राजिम कुंभ का फिर से आयोजन की शुरुआत की है। जनभावना का सम्मान करते हुए श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत की है। 5 मार्च को 850 लोगों का जत्था विशेष ट्रेन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई है। इस पूरी यात्रा का खर्च राज्य सरकार के द्वारा वहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी अयोध्या धाम के भव्य रामलला मंदिर की तर्ज पर नवा रायपुर स्थित मुकुंगन में अयोध्या धाम का प्रतिरूप बनाया जाएगा।

वनांचल क्षेत्रों में भी आदिम संस्कृति के गौरव प्रदान करने के लिए बस्तर दशरथ के आयोजन के लिए राशि बढ़ाकर प्रत्येक वर्ष 50 लाख रूपए, चित्रकोट महोत्सव के लिए 25 लाख रूपए और रामाराम महोत्सव के लिए 15 लाख रूपए, गोंडा महोत्सव के लिए धनराशि 5 लाख रूपए कर दी गई है। मानसरोवर यात्रा और सिंधु दर्शन यात्रा के लिए भी आर्थिक सहायता राशि को बढ़ाकर राशि को 50 हजार रूपए प्रति यात्री किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार चार धाम के तर्ज पर छत्तीसगढ़ में पांच शक्तिपीठों की विकसित करेगी इसके अंतर्गत कुदरगढ़ जिला सूरजपुर, चंद्रहासिनी चंद्रपुर जिला-सकी, महामायी रतनपुर जिला-बिलासपुर, दंतेश्वरी जिला दावड़ा और बमलेश्वरी डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव को चारधाम की तर्ज पर विकसित करने के लिए योजना तैयार की जा रही है। इस योजना की लागत 112 करोड़ की होगी। इस वर्ष बजट में 5 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव 2024 के आयोजन हेतु राशि रूपए 1 करोड़ 14 लाख रूपए की राशि एवं चिन्चरी पोर्टल में पंजीकृत रामायण मानस मंडलियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 3 करोड़ 10 लाख 40 हजार रूपए आवंटित किए गए। विभिन्न अवसरों पर सांस्कृतिक आयोजन में लोक कलाकारों को करीब 3 करोड़ रूपए मानदेय के रूप में प्रदान किए गए। सिरपुर महोत्सव आयोजन के लिए 15 लाख रूपए का प्रावधान किया गया। इसके अलावा राजनांदगांव में लोक मंडई महोत्सव का आयोजन किया गया। मैनापट महोत्सव और जांजीगर चांपा में शिवरीनारायण मेला महोत्सव का सफल आयोजन किया गया।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव 2024 के आयोजन हेतु राशि रूपए 1 करोड़ 14 लाख रूपए की राशि एवं चिन्चरी पोर्टल में पंजीकृत रामायण मानस मंडलियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 3 करोड़ 10 लाख 40 हजार रूपए आवंटित किए गए। विभिन्न अवसरों पर सांस्कृतिक आयोजन में लोक कलाकारों को करीब 3 करोड़ रूपए मानदेय के रूप में प्रदान किए गए। सिरपुर महोत्सव आयोजन के लिए 15 लाख रूपए का प्रावधान किया गया। इसके अलावा राजनांदगांव में लोक मंडई महोत्सव का आयोजन किया गया। मैनापट महोत्सव और जांजीगर चांपा में शिवरीनारायण मेला महोत्सव का सफल आयोजन किया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग : 'प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राईजिंग इंडिया' के तहत छत्तीसगढ़ के 211 स्कूलों में पीएम श्री योजना में शामिल किया गया है। पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों में आधुनिक, परिवर्तनकारी सुविधायुक्त शिक्षा देने की तैयारी की है। इस योजना के तहत स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए बजट में 60 करोड़ का प्रावधान किया गया है। दूसरे

चरण में प्रदेश के लगभग 300 स्कूलों को इस योजना के दायरे में लाया जाएगा। प्रदेश के 25 हजार स्कूलों में पहली से लेकर 12वीं तक एक सेक्शन इंग्लिश मीडियम का शुरू किया जाएगा। अब 9 वीं कक्षा के सभी छात्र-छात्राओं को निःशुल्क सायकल मिलेगी। राज्य सरकार ने छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग को मिलने वाली छात्रवृत्ति संचित शिरोमणि गुरु घासीदास, अनुसूचित जनजाति वर्ग को छात्रवृत्ति को वीर गुण्डापुर के नाम पर किए जाने का निर्णय लिया है।

न्याता भोजन : प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तर्ज पर स्कूल अर्वाधि में बच्चों को गर्म भोजन उपलब्ध कराने 'न्याता भोजन' शुरू किया गया है। यह सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह विभिन्न तयौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। समुदाय के सदस्य ऐसे अवसरों/तयौहारों पर अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान कर सकते हैं। अब तक 6000 स्कूलों में समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, समुदाय, आम नागरिकों के द्वारा बच्चों को न्याता भोजन कराया गया है।

सीधी भर्ती व पदोन्नति : जनवरी 2024 से अब तक सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याताओं के 2055 पदों पर भर्ती का चुकी है। इसके साथ ही व्याख्याता के 2524 पद, शिक्षक के 8194 पद तथा सहायक शिक्षक के 22341 पद, कुल 33059 पदों पर सीधी भर्ती की कार्यवाही आरंभ कर दी गई है। इसके साथ ही शिक्षकों की समय पर पारदर्शी तरीके से पदोन्नति और वरिष्ठता सूची प्रकाशन की कार्यवाही की जा रही है।

उच्च शिक्षा : छत्तीसगढ़ का पहला आयुर्वेद विश्वविद्यालय और पहला संस्कृत विश्वविद्यालय रायपुर में प्रारंभ किया जाएगा। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत राज्य के बस्तर विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रूपए, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर को 20 करोड़ और अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय, बिलासपुर को 20 करोड़ के साथ ही दो कॉलेजों को पांच-पांच करोड़ रूपए दिए हैं। बस्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा को उपलब्धता हेतु वर्ष 2024-25 के राज्य बजट से 20 नवीन शिक्षण विभाग में 33 नवीन स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की प्रावधान किया गया है।

बस्तर विश्वविद्यालय के वार्षिक अनुदान की राशि 04 करोड़ से बढ़ाकर इस वर्ष के बजट में 10 करोड़ प्रस्तावित किया गया है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के वार्षिक अनुदान बजट की राशि 39 करोड़ से बढ़ाकर 54 करोड़ कर दिया गया है। इसी प्रकार बिलासपुर विश्वविद्यालय के लिए वार्षिक अनुदान की राशि 02 करोड़ 27 लाख से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दी गई है।

उच्च शिक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को महाविद्यालय में आने-जाने में होने वाली असुविधा को दूर करने हेतु परिवहन की सुविधा अगले सत्र से दिये जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 4200 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। शासकीय महाविद्यालयों आने वाले दिनों में नियमित प्राचार्यों की नियुक्ति की जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू होने से प्रदेश के उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों को रोजगार उन्मुखी शिक्षा मिलेगी। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में कॉमर्स और फॉरेंसिक साइंस कोर्स शुरू होंगे।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण हुआ संपन्न



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतदान दलों के कार्यो तहसील स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के एल चौहान द्वारा कुल 106 मास्टर ट्रेनरर्स की नियुक्ति की गई है। जिन्होंने जिला पंचायत के सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर नम्रता चौबे, जिला निर्वाचन अधिकारी आर आर दुबे उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण की शुरुआत में कलेक्टर श्री चौहान ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसी तरह की समस्याएं हो, उसे प्रशिक्षण के दौरान दूर कर लें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के तकनीक और सिस्टम में समय के साथ बदलाव होते रहे हैं। इससे प्रशिक्षण की आवश्यकता और महत्व बढ़े हैं। प्रशिक्षण एवं मतदान कर्मियों को अपडेट रमना और करना आवश्यक समझा गया। प्रशिक्षण इसलिए दिया जा रहा है। जिला मास्टर ट्रेनर ने पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षण देते हुए मतदान दलों के कार्यो एवं उतरदायित्वों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने माकपोल की प्रक्रिया, वास्तविक मतदान के लिए मशीन की सोलिंग, मतदान प्रक्रिया के अलावा विभिन्न पदकों को तैयार करने के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि मतपत्र लेखा तथा पीठासीन अधिकारी को डाइरी की दो दो प्रतियां सामग्री वापसी स्थल पर जांच कराने के पश्चात जमा की जाएगी। इन दोनों प्रपत्रों को बहुत ही सावधानीपूर्वक तैयार किया जाए। साथ ही समस्त मास्टर ट्रेनर व विधानसभावार मास्टर ट्रेनर को आदर्श आचरण संहिता, संपत्ति विरूपण की प्रक्रिया एवं कार्रवाई तथा समय सिका, मतदान दलों के दायित्वों, निर्वाचन कार्य में तैनात होने वाले विभिन्न स्टाफ के दायित्वों, ईवीएम, वीवीपेट संचालन, दस्तावेजीकरण सहित आयोग के अन्य समस्त निर्देश व नियम की जानकारी दी गई।

शीलू लुनिया की दो कृतियों का विमोचन, महिलाएं भी सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। लेखिका शीलू लुनिया की दो कृतियों का विमोचन व सम्मान समारोह वरिष्ठ भाषाविद् व साहित्यकार डॉ. चितरंजन कर के मुख्य आतिथ्य व डॉ. शीला गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इसमें से एक रचना "गर्भ के संस्कार फलीभूत होते हैं" में उन्होंने नौ माह में एक महिला कैसे अपनी अदृश्य संतान से संवाद स्थापित कर उसको संस्कार देती है, उसका वर्णन किया है। पहले माह से नौ माह तक प्रत्येक माह मां अपनी होने वाली संतान के लिए किन-किन बातों का स्वयं ध्यान रखती है इसका शानदार वर्णन शीलू लुनिया ने अपनी पुस्तक में किया है। गर्भ में पल रही संतान के लिए एक मां की सोच में कि मेरी होने वाली संतान कैसी होगी, क्या मैं एक अच्छी मां बन पाऊंगी? क्या आधुनिकता की चक्रावृत्ति में उसे अच्छे संस्कार दे पाऊंगी? क्या नौ माह से ही संस्कारों की शिक्षा प्रारंभ कर दी जाए, इन्हीं सब सोंच को लेकर लेखिका शीलू लुनिया ने अपने अनुभवों को इस पुस्तक में साझा किया है। इसके अलावा एक कविता संग्रह "मुट्टी में आसमा" का भी विमोचन किया गया। इस समारोह में समीक्षक थे- डॉ.



मंजूला श्रीवास्तव, डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. अर्चना पाठक व गोपाल सोलंकी। विशिष्ट अतिथि डॉ. सोनली चक्रवर्ती (भिलाई), अमरनाथ त्यागी पं. प्रारंभ में बिटिया रूही जैन ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं व महिला मंडलों का सम्मान किया गया जिनके नाम हैं- रजनी नेल्सन, शुभा शुक्ला, शोभा मोहन श्रीवास्तव, मनीषा गुप्ता, माधुरी कर, सुप्रिया शर्मा, पल्लवी झा, साधना शर्मा, डॉ. तुषा शर्मा, सुषमा तिवारी, नीता झा, डॉ. नम्रता सिंह, डॉ. सीमा निगम, सुधी टांक, किरण लता वैध, राशि मिश्रा, सुशीला साहू, देवजांनी मजूमदार, लक्ष्मी साहू, रीता वैष्णव, दिलशाह बेग सैफ़ी, प्रजा त्रिवेदी, नीता शीवास्तव, संतोष सोनी, वासु पुष्प मोनोहर, महिला मंडल, समर्पण सखी महिला मण्डल। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा श्रीवास्तव व आभार प्रदर्शन संस्था के संयोजक रानू लुनिया ने किया। स्वागत भाषण संयोजक मुकेश शाह ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत व स्मृति चिह्न से सम्मान तुषि लुनिया, मासूम लुनिया, तुषार लुनिया, वर्षा ललवानी, रिद्धी सोनीगरा, अक्षय जैन आदि ने किया।

उल्लस-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम, मास्टर ट्रेनरों की प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के. एल. चौहान के मार्गदर्शन में आज उल्लस नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड स्तरीय मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण सह कार्यशाला जिला मुख्यालय स्थित बीआरआरसी कार्यालय के प्रशिक्षण हाल में किया गया। कार्यशाला में असाक्षरों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों के चिन्हांकन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पढ़ना लिखना अभियान के अंतर्गत 30 मार्च 2022 में आयोजित की गई थी. जिसमें राज्यव्यापी महापरीक्षा अभियान के चिन्हांकित असाक्षरों को

10 हजार से अधिक लोगों को साक्षर करने का लक्ष्य, 17 मार्च को होगी परीक्षा का आयोजन

पुनः 17 मार्च 2024 को आयोजित होने वाली महापरीक्षा अभियान में शामिल करना है क्योंकि पूर्व में आयोजित परीक्षा में शिक्षार्थियों का प्रामाणीकरण (सर्टिफिकेशन) नहीं हो पाया था। इस महापरीक्षा का नाम राज्यव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा होगा।=विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बिलाईगढ़ सत्यनारायण साहू ने बताया कि उल्लस नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 17 मार्च 2024 रविवार को प्रातः 10 बजे से 5:30 तक परीक्षा का

आयोजन किया जायेगा। शिक्षार्थी सुविधानुसार उक्त समय के भीतर परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा। शिक्षार्थी को प्रश्न पत्र हल करने के लिए 3 घंटे का समय दिया जायेगा। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण बलौदाबाजार-भाटापारा जी.एल. देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा केन्द्र में शिक्षार्थियों के लिए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैठने के लिए समुचित व्यवस्था हो। 17 मार्च 2024 के कम से कम तीन दिवस पूर्व प्राप्त/वाट्स प्रभावी, स्वयंसेवी शिक्षक की सहायता से प्रत्येक पंजीकृत शिक्षार्थी के घर-घर संपर्क कर शिक्षार्थी पर्ची का वितरण करें।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर नगर रायपुर (छ.ग.), फ़ोन नं.- 0771-4903323 Email Id: eocghbzone02@gmail.com

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8) मोंहावा बाजार, रायपुर E-mail ID - rmczone8@gmail.com पत्र क्र./9035/न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024 रायपुर, दिनांक 06-02-2024

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4) प्रेम वल्ल, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर E-mail ID - rmczone4@gmail.com पत्र क्र./10109/न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024 रायपुर, दिनांक 13-03-2024

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4) प्रेम वल्ल, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर E-mail ID - rmczone4@gmail.com पत्र क्र./10095/न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024 रायपुर, दिनांक 13-03-2024

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4) प्रेम वल्ल, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर E-mail ID - rmczone4@gmail.com पत्र क्र./10096/न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024 रायपुर, दिनांक 13-03-2024

कार्यालय नायब तहसीलदार, तहसील- मंदिर हसीद, जिला- रायपुर (छ.ग.) // इशतहार // रा.प्र.क्र.- 38023244407100015/38-6/2023-24, ग्राम- रीता, प.ह.न.-18, रा.नि.- मंदिर हसीद तहसील- मंदिर हसीद, जिला- रायपुर

आम-सूचना सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदत्त आवास योजनांतर्गत बम्बू, रायपुर में स्थित भवन क्रमांक एल.आई.डी.-822, श्री चेतन दास चंदनानी पिता स्व. केदार दास चंदनानी के नाम पर इन्हें कार्यालय का आवंटन आदेश क्रमांक-8725 दिनांक 28.03.2007 द्वारा आवंटित किया गया है। आवंटित द्वारा उक्त भवन को पूर्ण मूल्य अर्थात् कर अपने पक्ष में दिनांक 27.10.2018 को सेलडीड/अनुबंध पंजीकृत उपरान्त मूल आवंटनी श्री चेतन दास चंदनानी पिता स्व. केदार दास चंदनानी को मयूचु दिनांक 26.10.2021 को जो जाने के कारण उक्त सुपुत्र श्री राजकुमार चंदनानी पिता स्व. श्री चेतन दास चंदनानी निवासी- नेताजी ट्रेडर्स के पास, केदार गालवा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवंटन पत्र, मयूचु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवंटन प्रस्तुत किया गया जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है। अतः उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति निषिद्ध, निष्कार्य, वैक अथवा सूचना प्रकाशन को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति पत्र दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 9035 वाई का नाम- 2 व. जवाहर लाल नेहरू वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR741B00481 जो को निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MO. IRFAN SALAT पिता/पति, श्री/श्रीमती HAJI MO. NASEEM के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. मोहम्मद सलाम कुरैशी 2. अब्दुल कलाम कुरैशी 3. मोहम्मद इनाम कुरैशी 4. शाहिना परवीन पिता/पति, श्री/श्रीमती 1, 2 व 3 सभी पिता-स्व. मोहम्मद सिद्दिकी कुरैशी 4. स्व. इकराम कुरैशी ने मयूचु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवंटन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में हक या दावा रखें, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्ताव करें। निर्धारित समयवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 10109 वाई का नाम- 46- मीनाना अब्दुल रुक़ुफ़ वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR741B00481 जो को निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MO. IRFAN SALAT पिता/पति, श्री/श्रीमती HAJI MO. NASEEM के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. मोहम्मद सलाम कुरैशी 2. अब्दुल कलाम कुरैशी 3. मोहम्मद इनाम कुरैशी 4. शाहिना परवीन पिता/पति, श्री/श्रीमती 1, 2 व 3 सभी पिता-स्व. मोहम्मद सिद्दिकी कुरैशी 4. स्व. इकराम कुरैशी ने मयूचु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवंटन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्ताव करें। निर्धारित समयवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 10095 वाई का नाम- 46- मीनाना अब्दुल रुक़ुफ़ वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR741B00481 जो को निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MO. IRFAN SALAT पिता/पति, श्री/श्रीमती HAJI MO. NASEEM के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. मोहम्मद सलाम कुरैशी 2. अब्दुल कलाम कुरैशी 3. मोहम्मद इनाम कुरैशी 4. शाहिना परवीन पिता/पति, श्री/श्रीमती 1, 2 व 3 सभी पिता-स्व. मोहम्मद सिद्दिकी कुरैशी 4. स्व. इकराम कुरैशी ने मयूचु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवंटन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्ताव करें। निर्धारित समयवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 10096 वाई का नाम- 46- मीनाना अब्दुल रुक़ुफ़ वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR741B00481 जो को निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MO. IRFAN SALAT पिता/पति, श्री/श्रीमती HAJI MO. NASIM पिता/पति, श्री/श्रीमती HAJI HASHAM के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. मोहम्मद सलाम कुरैशी 2. अब्दुल कलाम कुरैशी 3. मोहम्मद इनाम कुरैशी 4. शाहिना परवीन पिता/पति, श्री/श्रीमती 1, 2 व 3 सभी पिता-स्व. मोहम्मद सिद्दिकी कुरैशी 4. स्व. इकराम कुरैशी ने मयूचु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवंटन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्ताव करें। निर्धारित समयवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

एतद् आको सूचित किया जाता है कि अट्टड स्टिल प्रॉडक्ट लिमिटेड द्वारा धीरज जैन

दैनिक विश्व परिवार

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 160 जोड़े बंधे विवाह बंधन में

अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया साथ ही सुखी दाम्पत्य जीवन की शुभकामना दी और उपहार भेंट किए

महासमुंद (विश्व परिवार)। महासमुंद के संजय कानन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत पूरे विधि विधान से 160 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, सांसद प्रतिनिधि संदीप दीवान, पार्षद देवीचंद राठी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पवन पटेल सहित प्रतिनिधिगण नवविवाहित दम्पतियों को आशीर्वाद दिया साथ ही सुखी दाम्पत्य जीवन की शुभकामना दी और उपहार भेंट किए। विवाह कार्यक्रम में संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहित परिजन मौजूद थे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास समीर पाण्डे ने बताया कि आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 160 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत गरीब परिवारों की लड़कियों की शादी के लिए राज्य सरकार द्वारा आर्थिक सहायता के रूप में 50 हजार



रूप का अनुदान सहायता राशि प्रदान किया जाता है। प्रति जोड़ा 50 हजार रूपए का व्यय किया गया है। इसमें प्रत्येक कन्या को 21 हजार रूपए की

राशि बैंक खाते या बैंक ड्राफ्ट के रूप में प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 15 हजार रूपए की राशि के उपहार दिए गए हैं। विवाह आयोजन व्यवस्था और

परिवहन पर प्रति कन्या 8 हजार रूपए, इसके साथ वर-वधु के कपड़े, श्रृंगार सामग्री पर 6 हजार रूपए व्यय किया गया है।

तीन दिवसीय योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ

सूरजपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ योग आयोग रायपुर द्वारा जिला सूरजपुर के शिव मन्दिर प्रांगण भटगांव में 03 दिवसीय योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री एम.एल. पाण्डेय सचिव छत्तीसगढ़ योग आयोग एवं साथ ही विभिन्न संगठनों के सम्मानितजन, समाज के प्रमुखजन, व्यापारी संघों के प्रतिनिधि, स्थानीय पंचायत एवं नगरीय निकायों के निवाचित प्रतिनिधि एवं विभिन्न प्रकार के महिला समूहों के प्रतिनिधि एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम आयोजन में फ्लैक्स एवं बैनर लगाते हुए बाईक रैली के साथ रोड शो, गायत्री परिवार द्वारा महायज्ञ किया गया। कार्यक्रम में मंत्री के द्वारा योग किट का वितरण किया गया एवं भोजन की व्यवस्था भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री गौरव कुमार देवांगन सहायक लेखाधिकारी छत्तीसगढ़ योग आयोग रायपुर एवं योग आयोग प्रबंधक श्री रविकान्त कुम्भकार के समन्वय से किया गया।

लोकसभा चुनाव: कोतवाली सहित चार थानों के लिए अब नए चेहरे की तलाश

कोरबा (विश्व परिवार)। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के प्रभावशील होने से ठीक पहले निर्वाचन आयोग के निर्देश पर दो वर्ष से अधिक समय से जिले में पदस्थ अधिकारियों को रेंज से बाहर भेजने का काम जारी है। पुलिस विभाग ने हाल में ही एक सूची जारी की। कोरबा जिले के चार निरीक्षक इसमें प्रभावित हुए हैं। इसके साथ विभाग में रिफ्रेशन होना था है। कोतवाली सहित तीन थाने में किसे प्रभारी बनाया जाए इसके लिए माथापच्ची करनी पड़ रही है। पुलिस

मुख्यालय की ओर से जारी आदेश के अंतर्गत कोतवाली प्रभारी नितिन उपाध्याय और दीपका थाना प्रभारी अक्षनी राठी को सुकमा स्थानांतरित किया गया है। जबकि बालकोनगर प्रभारी अभिनवकांत सिंह को बीजापुर व कुसमुंडा प्रभारी मनीष नागर को कांकर जिले में भेजा गया है। जबकि बस्तर क्षेत्र से ही मोती पटेल को कोरबा जिले में स्थानांतरित किया गया है। कोरबा जिले में निरीक्षकों की पर्याप्त पदस्थापना पहले से ही है। इनमें से कई रिक्त केंद्र में सेवाने दे रहे हैं।

अलग-अलग समय पर उन्हें थाना से यहाँ भेजा गया है। अब जबकि लोकसभा चुनाव के चक्र में 4 थानों के प्रभारियों को स्थानांतरित करने के आदेश जारी किये गए हैं ऐसे में माना जा रहा है कि नवीन पदस्थापना से पहले एक बार फिर पुलिस विभाग के द्वारा कोरबा जिले में बड़ा परिवर्तन किया जाएगा। इसमें कई थानों के प्रभारी यहाँ से वहाँ किये जा सकते हैं जबकि लाइन में कार्यरत निरीक्षकों को मैदान में काम करने का अवसर मिल सकता है। कोतवाली और बालकोनगर

महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं इसलिए यहाँ सुलझे हुए निरीक्षक को बैटाने की नीति पर काम हो सकता है। इसके अलावा दीपका और कुसमुंडा कोयलांचल में आए दिन अलग-अलग कारण से उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के मद्देनजर क्षमतावान अधिकारी की खोज की जा रही है जो वहाँ के हिसाब से न केवल कामकाज कर सके बल्कि समस्याओं का निवारण भी कर सके। सूत्रों ने बताया कि पुलिस विभाग के द्वारा निरीक्षक स्तर के अधिकारियों के तबादलों से संबंधित एक और सूची जारी की जानी है।

टेका कर्मियों ने एसईसीएल कार्यालय का घेराव कर किया प्रदर्शन

कोरबा (विश्व परिवार)। एसईसीएल के कोरबा मुख्यालय में पूर्व घोषणा अनुसार कोयला मजदूर पंचायत के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीणों और टेका कर्मियों ने लगभग 8 घंटे प्रदर्शन किया। मुख्यालय के मुख्य द्वार पर डटे ग्रामीणों ने कार्यालय का घेराव कर दिया। बड़ी संख्या में महिलाएं भी अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ प्रदर्शन में शामिल हुईं। कोयला मजदूर पंचायत के केन्द्रीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र पाल सिंह तंवर ने बताया कि स्टारएक्स मिनिस्ट्रस कंपनी द्वारा मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। 16 सूत्रीय मांगों में सभी मजदूरों को एचपीसी वेतनमान से जोड़कर पे-स्लीप प्रदान करना, हाईपावर कमेटी द्वारा बड़े हुए वेतनमान का एरियर के साथ भुगतान, जनवरी माह के वेतन में चालकों के हाजिरी में फर्जी कटौती की जांच, प्रत्येक

माह के 10 तारीख को सभी मजदूरों के वेतन भुगतान की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी मजदूरों की 26 दिनों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। साथ ही मजदूरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी कंडम हो चुकी गाड़ियों की जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी मजदूर के साथ अनहेनी न हो। आंदोलन व कई बैठकों के बाद भी शोषण का क्रम जारी है जिसे लेकर एक दिवसीय आंदोलन किया गया। करीब 8 घण्टे तक चले प्रदर्शन के बाद भी एसईसीएल का कोई भी अधिकारी चर्चा के लिए नहीं पहुंचा जिससे आक्रोशित कामगारों व ग्रामीणों ने 13 मार्च को सराईपाली खदानबंदी का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को इस संबंध में पुलिस-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

विकासखंड नवागढ़ के ग्राम पंचायत खोखरा में आजीविका ऋण मेला का हुआ आयोजन

जांजगीर-चांपा (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने मंगलवार को नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत खोखरा के मनाका दाई मंदिर प्रांगण में लगाये गये आजीविका ऋण मेला में शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित हितग्राहियों को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इसके माध्यम से आप दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों को सक्षम बनाने और स्थायी स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने कहा। साथ ही महिलाओं को योजना की जानकारी देते हुए आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। आजीविका ऋण मेला में 749.54 लाख का

विभागीय और स्व सहायता समूह का बैंक शाखाओं के माध्यम से ऋण स्वीकृत किया गया। कलेक्टर ने आजीविका ऋण मेला में हितग्राहियों को चेक का वितरण किया। आजीविका ऋण मेला के माध्यम से स्व सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज में बढ़ोतरी, बैंक द्वारा प्रायोरिटी सेक्टर में ऋण वितरण क्षेत्र का विस्तार, शासकीय स्व-रोजगार ऋण योजनाओं के प्रति जागरूकता, मुद्रा योजना के क्षेत्र का विस्तार, स्वयं सिद्धा योजना के प्रति जागरूकता एवं विस्तार, नवीन बैंक खाते और आधार पंजीयन करने की सुविधा, ग्रामीणों की वित्तीय साक्षरता एवं सायबर फ्रॉड के रोकथाम के प्रति जागरूकता और अन्य बैंकिंग से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया।

रात में रिहायशी इलाके तक पहुंचा हाथियों का झुंड घर को तोड़ा, बुजुर्ग दंपती को कुचलकर मार डाला

सूरजपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में दैतल हाथियों ने बुजुर्ग दंपती को कुचलकर मार डाला। रात में पति-पत्नी जंगल किनारे बसे कच्चे मकान में सो रहे थे। तभी दो हाथी पहुंच गए और घर को तोड़ दिया। हाथियों के बचने दंपती भागे, लेकिन दैतल ने दोनों को स्रुंड से उठाकर पटक दिया और पैरों से कुचल दिया। घटना की सूचना पर वन अमला मौके पर पहुंचा। वन अफसरों ने हाथियों से सतर्क रहने और दूरी बनाकर

रखने की हिदायत दी है। मिली जानकारी के मुताबिक प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत दरहोरा में यह घटना हुई है। हरिधन (79 वर्ष) और उसकी पत्नी नन्ही (65 वर्ष) जंगल किनारे घर बनाकर रह रहे थे। रविवार की रात हाथियों ने कच्चे मकान को तोड़ दिया। डटकर दोनों घर से बाहर निकल आए और हाथियों को देख भागने लगे। हाथियों ने दोनों स्रुंड से उठाकर पटक दिया और पैरों से कुचल दिया। हाथियों ने घर के अंदर रखे अनाज को

खा गए। चीख-पुकार और हाथियों के चिंघाड़ की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने शोर मचाया। इसके बाद हाथी पास के ही जंगल में घुस गए। सुबह सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची। ग्रामीणों ने वन अमले पर हाथियों की मौजूदगी की सूचना नहीं देने का आरोप लगाया। वन विभाग ने मृतक के परिजन को 25-25 हजार की तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई है। मुआवजा प्रकरण भी बनाया जा रहा है। वन विभाग के स्पष्ट अशुतोष

भगत ने बताया कि बुजुर्ग दंपती को मारने वाले दो दैतल हाथियों में एक हाथी सीतापुर लुंड्रा से आठिकापुर होते हुए प्रतापपुर पहुंचा है। दूसरा दैतल वाइफुंगर क्षेत्र में विचरण कर रहे 34 हाथियों के दल से अलग होकर प्रतापपुर आया है। करीब 15 दिनों से हाथी गणेशपुर, सिंधरा और सरहड़ी के जंगल में विचरण कर रहे थे। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और जंगल के तरफनहीं जाने की हिदायत दी है।

सुनालिया नहर पुल पर नहीं लगेगा जाम, बेहतर आवागमन के साथ मिलेगा आराम

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर वाई शेप अंडरपास की मिली स्वीकृति

कलेक्टर अजीत वसंत ने दी प्रशासकीय स्वीकृति

कोरबा (विश्व परिवार)। शहर में प्रवेश के साथ ही रेल्वे स्टेशन आने-जाने वाले सुनालिया नहर पुल मुख्य मार्ग में रेल्वे क्रॉसिंग बंद होने की वजह से नहर पुल पर वाहनों के जाम में फंसने वाले आम लोगों को जल्दी ही राहत के साथ आराम मिलने लगेगा। आम लोगों को फटक बंद होने से इस मार्ग पर आवागमन में जो परेशानी उठानी पड़ती है, वह आने वाले समय में दूर हो जाएगी। कोरबा के विधायक और छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन की पहल, अनुशंसा और कलेक्टर श्री अजीत वसंत के प्रयासों से इस सुनालिया रेल्वे क्रॉसिंग पर शीघ्र ही वाई शेप



अंडरपास का निर्माण होने वाला है। कलेक्टर द्वारा अंडरपास निर्माण के लिए 30 करोड़ 97 लाख रूपए की प्रशासकीय

स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जल्द ही तकनीकी स्वीकृति उपरांत अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

जिला प्रशासन की इस पहल से शहरवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने वाली है और उन्हें बेहतर आवागमन उपलब्ध होने वाला है।

औद्योगिक नगरी वाले जिले के रूप में पहचान रखने वाले कोरबा जिले के हृदय स्थल पाँवर हाउस मुख्य मार्ग तथा सुनालिया नहर पुल मार्ग से शहरवासी नियमित आवागमन करते हैं। शहर से रेल्वे स्टेशन की ओर जाने और रेल्वे स्टेशन से शहर की ओर आने के लिए सुनालिया रेल्वे क्रॉसिंग का मार्ग महत्वपूर्ण स्थान है। विगत समय से सुनालिया नहर पुल वाले मुख्यमार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ने से नहर पुल पर आये दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। यह समस्या और भी विकराल हो जाती है, जब कोई उत्सव का माहौल हो तथा रेल्वे फटक बंद हों। रेल्वे फटक के बंद होने व खुलने के दौरान दोनों ओर वाहनों

की लंबी कतारें लग जाती हैं। शहर की इस बड़ी समस्या को संज्ञान में लेकर कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिले के एसपी तथा अन्य अधिकारियों के साथ जिले में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने सुनालिया मार्ग सहित अन्य महत्वपूर्ण मार्गों का अवलोकन भी किया गया था। इस दौरान कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग (सेतु) के अधिकारियों को सुनालिया रेल्वे क्रॉसिंग में अंडरपास निर्माण के लिए स्टीमेट बनाने के निर्देश दिए थे। आखिरकार उद्योग मंत्री श्री देवांगन की अनुशंसा पर जिला खनिज न्याय मद से लगभग 30 करोड़ 97 लाख रूपए की लागत से अंडरपास निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

कोरबा (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज जन चौपाल में लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रकरण अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में लोगों ने प्रधानमंत्री आवास, वन अधिकार पत्र, मजदूरी भुगतान, मुआवजा दिलवाने, सहायक उपकरण, पेशान भुगतान, अतिक्रमण हटाने, सीमांकन, बटांकन, राशन कार्ड, आर्थिक सहायता, रोजगार हेतु ऋण दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। जनचौपाल में कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निर्देशित किया है कि आवेदनों का परीक्षण कर शासन के नियमानुसार कार्यवाही समय सीमा सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनचौपाल में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि आवेदक को दोबारा जनचौपाल में ना आना पड़े।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसदेई में हुआ ग्लूकोमा सप्ताह का शुरुआत

सूरजपुर (विश्व परिवार)। आंखों के गंभीर रोग ग्लूकोमा जिसे हम काला मोतियाबिंद कहते हैं यह आंखों पर साइलेंट साइट किलर के तौर पर जाना जाता है। इसके शुरूआती लक्षण दिखने पर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। ग्लूकोमा का उपचार केवल सर्जरी से संभव है। कभी-कभी आंख की रोशनी भी चली जाती है। जागरूकता लाने के लिए हर वर्ष 12 से 18 मार्च तक विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का आयोजन किया जाता है जिसमें 40 वर्ष से अधिक मरीज के आंखों का प्रेशर जांच किया जाता है। इसी तारतम्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसदेई में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का शुरुआत किया गया। यह कार्यक्रम लगातार आज से 18 मार्च तक चलाई जाएगी। उन सभी 40 वर्ष से अधिक व्यक्तियों का नेत्र परीक्षण कर आवश्यक इलाज किया जाएगा एवं बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर किया जाएगा। आज ग्लूकोमा के प्रति जागरूकता के लिए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसदेई में ग्लूकोमा सप्ताह के अवसर में नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें नेत्र सहायक अधिकारी मारुति नंदन चक्रधारी जी के द्वारा 25 मरीजों का जांच कर आवश्यक दवाई, सुझाव एवं निःशुल्क चश्मा वितरण किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी मीना सोनी आर.एम.ए.ब्रिज लाल पटेल, स्टाफनर्स श्रीमती शुभेश्री राजवाड़े, फर्मासिस्ट मनीष दीपक साहू, आरती झरिया, मोहर लाल मिर्जे एवं सभी हॉस्पिटल स्टाफ व आम जनता उपस्थित थे।

चोरी के आरोपी को बागों पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोरबा (विश्व परिवार)। दिनांक 09.03.2024 के दरम्यानी रात्रि अज्ञात चोरो के द्वारा आमाटिकरा मातिन रेल्वे साईडिंग के निर्माणाधीन ब्रीज के नीचे रखे सरिया, चैनल, यूजैक एवं स्क्रैप कीमती 160000.00 रुपये की अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी कर ले जाने संबंधी प्रथी अरुण सूर्यवंशी पिता समारसिंह सूर्यवंशी, उम्र 32 वर्ष निवासी आमाटिकरा मातिन रेल्वे साईडिंग थाना बांगो जिला कोरबा छ0म0 के रिपोर्ट पर धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं मामले से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा की मार्गदर्शन व अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा पंकज ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बागों को चोरी के संबंध में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त दिशा निर्देश के परिपालन में थाना बागों पुलिस के विवेचना के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। संदेही रामशरण राय उर्फ गोजे पिता स्व. मोहनलाल, उम्र 53 वर्ष, निवासी ग्राम बगारा थाना मरवाही जिला जीपीएम हामू आमाटिकरा, थाना बांगो जिला कोरबा (छ0ग0) से पुछताछ करने पर पुलिस को गुमराह करने हिक्मततअली से पूछताछ करने पर अपने साथी सोनू राजवाड़े एवं लखन यादव निवासी आमाटिकरा / मातिन के साथ सरिया, चैनल, यूजैक, स्क्रैप को चोरी कर मातिन यादव मोहल्ला जंगल के नरवा (नाला) में छिपाकर एवं लकड़ी, पत्ता से ढककर रखना मेमोरण्डम कथन में बताया। आरोपी रामशरण राय उर्फ गोजे के निशानदेही पर चोरी गये सरिया, चैनल, यूजैक, स्क्रप बरामद कर जप्ती किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 66/24 धारा 379,386,34 भादवि सदर के घटित करने का साक्ष्य पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। मामले के फ़ार आरोपियों को पुलिस के द्वारा टीम बनाकर उनकी पताशाजी की जा रही है उन्हें भी पुलिस के द्वारा जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपादकीय किसानों के लिए सरकार की अहम पहल

डा. जयंतिलाल भंडारी

कहने की जरूरत पड़ी!

टिप्पणियां साधारण इस लिहाज से हैं कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में - जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार हो- इन्हें कहने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। मगर आज हालात ऐसे हैं कि ऐसे मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बीते हफ्ते दो साधारण बातें कहीं, लेकिन वो अखबारों में प्रमुख सुविधां बनीं। ये टिप्पणियां साधारण इस लिहाज से हैं कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में- जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार हो- इन्हें कहने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। मगर आज देश के हालात ऐसे हैं कि ऐसे मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाते हैं और अंततः कोर्ट को संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या करनी पड़ती है। पहली टिप्पणी संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने की आलोचना से संबंधित थी। एक प्रोफेसर ने इस कदम की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि जिस रोज ये कदम कदम उठाया गया, वह एक काला दिन था। दूसरी टिप्पणी पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर उसे बधाई दिए जाने से संबंधित थी। कोर्ट ने कहा कि किसी दूसरे देश को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देने के पीछे दुर्भावना की तलाश नहीं की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा- 'हर भारतीय नागरिक को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द करने की आलोचना करने का अधिकार है। जिस रोज ये अनुच्छेद रद्द किया गया, उसे काला दिन बनाना प्रतिरोध की भावना और रोष की अभिव्यक्ति है। अगर राज्य के हर आलोचना या प्रतिरोध को धारा 153-ए के तहत अपराध ठहराया जाएगा, तो लोकतंत्र- जो संविधान की अनिवार्य विशेषता है- टिक नहीं जाएगा।' कोर्ट ने अपनी दूसरी टिप्पणी में कहा कि पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को कोई भारतीय नागरिक शुभकामना देता है, तो इसमें कुछ गलत नहीं है। यह सद्भावना का इजहार है। वह नागरिक किसी खास मजहब से संबंधित हो, इसलिए ऐसी अभिव्यक्ति के पीछे दुर्भावना की तलाश नहीं की जानी चाहिए। जाहिर है, अभियुक्त मुस्लिम थे, जिन पर सांप्रदायिक द्वेष फैलाने का इस्तेमाल लगा दिया गया था। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें नज़र कर दिया है। लेकिन आज ऐसी घटनाएं इक्का-दुक्का भर नहीं हैं। और ऐसे मामले में इंसाफ के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़ता है, यही आज के सूरत-ए-हाल को बताता है।

विचार भारत अब डेमोक्रेसी नहीं?

बी-डेम के 179 देशों के सूचकांक में भारत को 104वें पायदान पर रखा गया है। संस्था के मुताबिक 2013 के बाद भारत में तानाशाही प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। वह उन 10 देशों में शामिल हो गया है, जहां ये प्रवृत्ति सबसे तेजी से बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय संस्था- वेराइटी ऑफ डेमोक्रेसीज (वी-डेम) ने दोहराया है कि भारत अब लोकतंत्र नहीं है। उसने भारत को निर्वाचित अधिनायकतंत्र की श्रेणी में 2018 में ही रख दिया था। उसके बाद से वी-डेम के सूचकांक में भारत का दर्जा और गिरा ही है। इस बीच लोकतंत्र की सूरत पर रिपोर्ट तैयार करने वाली अमेरिकी संस्था फ्रीडम हाउस भारत को आजाद देशों की श्रेणी से गिराकर उसे आंशिक आजादी वाले देशों की श्रेणी में रख चुकी है। वी-डेम ने इस वर्ष अपने सूचकांक में 179 देशों को शामिल किया है। उनके बीच भारत को 104वें पायदान पर रखा गया है। संस्था ने कहा है- 2013 के बाद भारत में तानाशाही प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। इस तरह वह उन देशों में शामिल हो गया है, जहां हाल के समय में तानाशाही सबसे तेजी से बढ़ी है। इस रूप में भारतीय लोकतंत्र उस जगह पहुंच गया है, जहां 1975 में था- यानी जब देश में इमरजेंसी लागू हुई थी। वी-डेम ने कहा है कि इस समय दुनिया में तानाशाही प्रवृत्ति बढ़ने की लहर आई हुई है। यह प्रक्रिया 42 देशों में चल रही है, जहां को कुल आबादी दो अरब 80 करोड़ है- यानी चूल्ह दुनिया की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हिस्सा रहता है। दुनिया की 18 फीसदी आबादी भारत में है। इस तरह जो आबादी बढ़ रही तानाशाही प्रवृत्ति वाले देशों में है, उनका आधा हिस्सा भारत में मौजूद है। भारत की वर्तमान सरकार ऐसी रिपोर्टों को तबजो नहीं देती (या कम-से-कम वह ऐसा करने के संकेत ही देती है)। सार्वजनिक बयानों में वह इन्हें भारत विरोधी सोच से प्रेरित करार देती है। मगर यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए कि भारत की पहचान अगर एक लोकतांत्रिक देश की बनी, तो वह उन पैमानों पर बेहतर सूरत की वजह से ही बनी, जिनको लेकर वी-डेम या फ्रीडम हाउस जैसी संस्थाएं सूचकांक बनाती हैं। अब इन कसौटियों पर भारत का दर्जा गिर रहा है, तो इसके लिए उन संस्थाओं की कथित दुर्भावना को कारण मानना अताकिक होगा। वैसे भी जो बातों वो संस्थाएं कह रही हैं, वैसे ही अनुभव बहुत सारे भारतवासियों का भी है।

भाजपा के इस दांव में खतरे भी

लेकिन क्या भाजपा इस दांव में कामयाब हो पाएगी? कई बार इस तरह के दांव उलट पड़ते हैं। कई बार कमजोर के प्रति सहानुभूति होती है। बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में तो डबल इंजन की डबल एंटी इन्क्यूबेंसी हो सकती है। बिहार में जनता दल यू को साथ लेने के बाद भाजपा का पुराना और छोटी सहयोगी पार्टियों से तालमेल बिगड़ा है क्योंकि उनको देने के लिए भाजपा के पास सीटें कम हैं। दूसरी और विपक्षी गठबंधन को पार्टियों में बेहतर तालमेल बना है। ध्यान रहे पिछली बार किशनगंज सीट पर मुकाबला इस वजह से था कि ओबेसी की पार्टी के उम्मीदवार को करीब तीन लाख वोट मिल गए थे। इस बार ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। इसलिए किशनगंज सीट पर कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार के जीतने के चांस ज्यादा हैं। इसी तरह सीमांचल की अनेक सीटों पर और पिछली बार कांटे की टक्कर वाली यादव बहुल सीटों पर भी मुकाबला आसान नहीं है। पप्पू यादव के साथ आने से सीमांचल का गणित अलग ढंग से बन रहा है। सीमांचल में पूर्णिया से लेकर अररिया, किशनगंज, सुपौल, मधेपुरा, खगड़िया, कटिहार तक पटना में पाटलिपुत्र और मगध में जहानाबाद जैसी सीटों पर कांटे का मुकाबला है। झारखंड में सिंहभूम सीट पर कोड़ा परिवार की मदद से भाजपा ने अपनी स्थिति मजबूत की है लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं है कि वह पिछली बार की तरह 14 में से 12 सीट जीत जाए। पिछली बार तीन सीटों पर कांटे की टक्कर हुई थी। लोहरदगा में कांग्रेस नौ हजार और खूंटी में डेढ़ हजार वोट से हारी थी। दुमका में शिबू सोरेन को 30 हजार के करीब वोट से हारे थे। इन सीटों पर इस बार भाजपा के लिए लड़ाई आसान नहीं है। इसके अलावा लहर के बावजूद पिछले दोनों चुनावों में भाजपा राजमहल सीट नहीं जीत पाई। ऐसा लग रहा है कि चार से छह सीटों पर विपक्षी गठबंधन बहुत मजबूत है। शास्त्रीय राजनीति के नजरिए से देखें तो ओडिशा में भाजपा ने वह गलती की है, जो पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने और केरल में कांग्रेस व लेफ्ट मोर्चा ने नहीं की।

हम उम्मीद करें कि हाल ही में डब्ल्यूटीओ के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में जिस तरह भारत ने खाद्य सुरक्षा व एमएसपी का मुद्दा प्रभावी तरीके से उठाया है, उससे दुनिया के अन्य देशों का समर्थन बढ़ेगा और इसका स्थायी समाधान होगा। साथ ही हाल ही में लांच की गई बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना से लाभ मिलेगा एक ओर जब इन दिनों देश में किसानों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भारत सरकार के द्वारा किसानों के हित में उठाई गई दो महत्वपूर्ण पहलें दुनियाभर में रेखांकित हो रही हैं। एक, हाल ही में भारत के द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधावी में आयोजित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, खाद्यान्नों के सार्वजनिक भंडारण एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी पहल की गई, जिसके कारण इस सम्मेलन में इन मुद्दों पर कई विकसित देश भारत के किसानों के हितों के प्रतिकूल कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ा पाए। ऐसे में अब भी भारत अपने किसानों के उपयुक्त लाभ के लिए नीतियां बनाने में सक्षम है। दो, 24 फरवरी को सरकार ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना के लिए प्रायोगिक परियोजना लांच की है। यह प्रायोगिक परियोजना 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को लक्षित कर रही है, जिनके माध्यम से पैक्स की किसानों के हित में बहुआयामी भूमिका होगी। गौरतलब है कि कृषि पर अबूधावी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारत ने जी-33 देशों के समूह, अफ्रीकी देशों और प्रशांत देशों के समूह की आवाज के साथ पब्लिक स्टॉक होल्डिंग (पीएएस) के स्थायी समाधान को अंतिम रूप देने के लिए प्रमुखीय सक्षम प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब डब्ल्यूटीओ को केवल निर्यातक देशों के व्यापारिक हितों तक ही अपना ध्यान सीमित नहीं रखना चाहिए, असली चिंता दुनिया के



करोड़ों लोगों की खाद्य सुरक्षा और आजीविका को होनी चाहिए। वस्तुतः खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक भंडारण के लिए भारत सरकार गेहूं और चावल मोटे अनाज को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की पहले से तय कीमत पर खरीदती है और फिर उन्हें गरीबों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिये सस्ते दाम या मुफ्त में वितरित करती है। यह खाद्य सुरक्षा भूख से त्रस्त लाखों लोगों को भूख से बचाने का सरकार का नीतिगत तरीका है। यह भारत के द्वारा वर्ष 2030 तक देश में भूख व गरीबी मिटाने के लक्ष्य से जुड़ा मुद्दा भी है। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में डब्ल्यूटीओ के नियमों के मुताबिक 1986-88 के मूल्यों को आधार मानते हुए उत्पादन मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक किसानों को सब्सिडी नहीं दी जा सकती है। भारत इसमें बदलाव चाहता है ताकि किसानों को अधिक सब्सिडी देने पर वैश्विक मंच पर उसका विरोध नहीं हो सके। अमरीका सहित कई विकसित राष्ट्र खाद्यान्न के लिए भारत में दिए जा रहे एमएसपी कार्यक्रम पर सवाल उठा रहे हैं, उनका कहना है कि इस पर दो जा रही सब्सिडी डब्ल्यूटीओ व्यापार नियमों के तहत स्वीकृत सीमा से करीब तिगुनी हो गई है। ज्ञातव्य है

कि वर्ष 2013 में बाली में हुए मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में सार्वजनिक भंडारण और खाद्य सुरक्षा को लेकर एक पीस क्लॉज पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसके तहत अन्न भंडारण कार्यक्रम का स्थायी हल नहीं निकलने तक किसी भी देश के द्वारा अनाज की खरीददारी और उसे कम दाम पर लोगों को देने का विरोध नहीं किया जाएगा। भारत को आशंका है कि खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर रोक लगाई जाएगी तो इससे देश के करोड़ों लोगों की भूख, करोड़ों किसानों की आजीविका और भारतीय कृषि के भविष्य पर असर पड़ सकता है। इसी कारण भारत खाद्य सब्सिडी की सीमा तय करने का फौर्मूला बदलने की मांग कर रहा है। निश्चित रूप से इस समय जब भारत 142 करोड़ से अधिक जनसंख्या के साथ दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है, देश में अभी भी 15 करोड़ से अधिक लोग गरीबी की रेखा के नीचे हैं और भारत को कुपोषण की समस्या से ग्रस्त देश के रूप में रेखांकित किया जा रहा है, तब भारत में खाद्य सुरक्षा, अधिक खाद्यान्न उत्पादन और खाद्यान्न भंडारण की जरूरत बनी हुई है। इस परिप्रेक्ष्य में सरकार के सराहनीय प्रयास दिखाई भी दे रहे हैं। जहां सरकार डब्ल्यूटीओ सहित अन्य

प्रश्नों की उमड़-धुमड़ का अंतर्व्यूह

पंकज शर्मा

पिछले हफ्ते मैंने टीवी बहसों में भाजपा के हर प्रवक्ता से पूछा कि 12 लाख मतदान केंद्रों में से हर एक पर 370 अतिरिक्त वोट का मतलब क्या होता है, इसका हिसाब जानते हैं? करीब 44 करोड़ अतिरिक्त वोट। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कुल मिला कर तकरीबन 23 करोड़ वोट मिले थे। उन में 44 करोड़ अतिरिक्त वोट जुड़ने का मतलब है कि 2024 में भाजपा के 67 करोड़ वोट। इसका अर्थ है कुल मतदान के 70 फीसदी वोट भाजपा पाए। पिछले चुनाव में भाजपा को 37.7 प्रतिशत वोट मिले थे। तो क्या 2024 में उस के मतों में 32 फीसदी का इजाफा हो जाएगा? यह तो तय है कि 2024 में नरेंद्र भाई मोदी अपनी भारतीय जनता पार्टी को 370 सीटों के आंकड़े पर नहीं पहुंचा पाएंगे। मगर इस से भी बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी अपनी कांग्रेस को किस आंकड़े तक पहुंचा पाएंगे? ज़मीनी हालात ऐसे लग रहे हैं कि इन गमितियों में स्पष्ट बहुमत के 272 अंक तक पहुंचने में भाजपा के पसीने छूट जाएंगे। मगर क्या धरती पर वे अंकुर फूट रहे हैं, जो इंडिया समूह को स्पष्ट बहुमत के अंक तक पहुंचा दें? मतदाताओं का बहुमत भले ही 'मोशा-भाजपा' के चंगुल से आजाद होने को छटपटा रहा हो, मगर क्या समूचे विपक्ष और खासकर कांग्रेस की सांगठनिक तैयारियों में चुनाव-आरोहण की कोई ताब दिखाई दे रही है? यह तो साफ है कि नरेंद्र भाई भीतर-ही-भीतर चरबराह हुए हैं। पिछले दो-तीन महीनों से उन की देह-भाषा में विचलन है और वे छय साहस

ओढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं। उन के शब्द-प्रवाह में बिखराव है और इसलिए वे 'मोदी की गारंटी' की तलैया फांद कर 'गारंटी-की-गारंटी' जैसे बेमतलब के समंदरी-आख्यान गढ़ने में लगे हुए हैं। चाहे जिस को अपने नाम पर चुनाव जिता लाने का कुरिश्मा गल कर बह जाने का अहसास उन्हें हो गया है, इसलिए कई मौजूदा सांसदों को इस बार उम्मीदवार बनाने की उन की हिम्मत नहीं पड़ रही है और कइयों को उम्मीदवार नहीं बनाने का हौसला भी वे नहीं जुटा पा रहे हैं। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की घनघोर हसरत ने उन की वैचारिक प्रतिबद्धता को ऐसा स्खलित कर दिया है कि वे सब कुछ भूल कर चाहे जिस का आलिंजन करने को अधीर हो गए हैं। चुनाव जीतने की व्याकुलता ने नरेंद्र भाई को इतना अस्थिर-चित्त कर दिया है कि वे अपनी पैदल-सेना पर बिना सोचे-समझे अजोबोग्रवीब लक्ष्य लाद रहे हैं। देश भर के हर मतदान केंद्र पर इस बार भाजपा को 370 अतिरिक्त वोट दिलाने का उन का प्रयोजन कितना अव्यावहारिक है, या तो हडबड्राहट के दौर ने उन्हें यह सोचने ही नहीं दिया या फिर वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ-साथ देश की जनता को भी इतना मूढ़ समझ बैठे कि उन्हें लगा कि सब उन के इस उदेश्य-आसव का पान आंघ मुंद कर लेंगे। हर बूध पर 370 अतिरिक्त वोट का जुमला नरेंद्र भाई के लिए रायसीना पर्वत के रेतीले हो जाने का सब से बड़ा सूत्र है। पिछले हफ्ते मैं ने टीवी बहसों में भाजपा के हर प्रवक्ता से पूछा कि 12 लाख मतदान केंद्रों में से हर एक पर 370 अतिरिक्त वोट का मतलब होता है करीब 44 करोड़ अतिरिक्त वोट। 2019 के लोकसभा चुनाव

में भाजपा को कुल मिला कर तकरीबन 23 करोड़ वोट मिले थे। उन में 44 करोड़ अतिरिक्त वोट जुड़ने का मतलब है कि 2024 में 67 करोड़ वोट। इस बार कुल 96 करोड़ मतदाता होंगे। उन में से 70 प्रतिशत वोट देने गए तो उन की तादाद होगी करीब 68 करोड़। तो क्या भाजपा को 68 में से 67 करोड़ वोट मिल जाएंगे? मान लीजिए कि सौ प्रतिशत मतदान हो गया तो भी 67 करोड़ वोट देने का मतलब होगा कुल मतदान के 70 फीसदी वोट अपने को मनुष्य गंठी में बटोर ले जाना। पिछले चुनाव में भाजपा को 37.7 प्रतिशत वोट मिले थे। तो क्या 2024 में उस के मतों में 32 फीसदी का इजाफा हो जाएगा? जवाब में खिसियानी हंसी थी और यह थोथा तर्क कि क्या हम एक बड़ा लक्ष्य तय करने का अधिकार भी नहीं रखते हैं? अब चूंकि नरेंद्र भाई के मुंह से एक बात निकल गई है तो भाजपा का कोई प्रवक्ता आखिर कैसे हडबड़ी में हुई हिसाब की इस गड़बड़ी पर कोई टीका करे? सो, अनुचर बिना अब्बल लगाए नारे लगा रहे हैं कि अब की बार 370 पार, अब की बार 400 पार, अब की बार फिर मोदी सरकार। और-तो-और खुद नरेंद्र भाई भी अपने मुंह से हर जगह यही उद्धोष करते घूम रहे हैं। दूसरों की आंखों में धूल झाँकने के चक्कर में खुद की आंखों में भी धूल झाँकने के उपक्रम को इस बेचारी पर में सहानुभूति-भाव से सराबोर होता जा रहा हूँ। पराक्रम और सामर्थ्य के इफ़तीती तारों से बुनी बाढ़ अचकन के भीतर से झाँकती पसीनी बिनियान का कातर-विलाप आप को सुनाई दे रहा हो, न दे रहा हो, मेरे मन में तो यह आवाज़ गहरी हूक पैदा कर रही है। सो, मैं तो पूरी तरह आश्चस्त होता

जा रहा हूँ कि 2024 में नरेंद्र भाई की हुकूमत उन की मुट्ठी से फिसल रही है। लेकिन बावजूद इस के मैं इस पर आश्चस्त नहीं हो पा रहा हूँ कि इंडिया-समूह के पर्वतारोही दमदमते हुए रायसीना पहाड़ी की तरफ कूच कर चुके हैं। वे तो पिछले छह महीनों से बस हौले-हौले रेंगते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में अगर मतदाताओं के मन में परिवर्तन की कोई बलवती इच्छा सुलग भी रही हो तो क्या उसे अखिल भारतीय शकल देना किसी राहुल गांधी, किसी शरद पवार, किसी लालू-तेजस्वी यादव, किसी अखिलेश यादव, किसी अरविंद केजरीवाल, आदि-आदि के लिए मुमकिन है? दक्षिण भारत, बंगाल, बिहार और पंजाब में बिखरे टपुओं पर अगर बदलाव का ध्वज फरफराने भी लगा तो क्या उस से नरेंद्र भाई इतने बेआबरू हो जाएंगे कि अपना झोला उठाएँ और महफ़िल छोड़ कर चले जाएँ? चलिए, मान लिया कि भाजपा 2019 की अपनी 303 सीटों में 67 की बढ़ोतरी कर उसे 370 पर पहुंचाने की स्थिति में नहीं है, मगर क्या कांग्रेस अपने 52 के आंकड़े को बढ़ा कर तीन अंकों तक पहुंचने की कूवत रखती है? क्या राष्टवादी कांग्रेस पार्टी 5 से 25 या 15 पर पहुंच जाएगी? क्या समाजवादी पार्टी 5 से 20-25 पर पहुंच रही है? क्या राष्ट्रीय जनता दल को 25-30 सीटें मिल रही हैं? क्या तृणमूल कांग्रेस 22 के बजाय 32 सीटें अपने पछू में बांध कर ले जाएगी? क्या आम आदमी पार्टी 15-20 का आंकड़ा छूती दिखाई दे रही है? क्या द्रमुक की सीटें 24 से बढ़ कर 34 होने वाली हैं? क्या वाम दल दो दर्जन सीटें अपनी मुट्ठी में कर लेंगे?

विशेषाधिकार में घूस लेने की छूट नहीं....

अजीत द्विवेदी

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संसदीय पीठ ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने बहुत दो टूक अंदाज में कहा है कि सदन के अंदर सांसदों को जो विशेषाधिकार मिले होते हैं उनमें रिश्त लेने की छूट शामिल नहीं है। अदालत ने कहा कि विशेषाधिकार इसलिए दिया गया है ताकि सांसद किसी भी विषय पर खुल कर अपनी राय रख सकें। बहस और विचार विमर्श में किसी तरह की बाधा नहीं आए, वह बेबाक हो, हर पहलू को समेटे हुए हो इसके लिए विशेषाधिकार का प्रावधान किया गया है। इस टिप्पणी के साथ ही सर्वोच्च अदालत ने 26 साल पहले हुई एक गलती को सुधार दिया। अदालत का यह फैसला दूरगामी असर वाला साबित होगा और इससे संसद के दोनों सदनों के साथ साथ राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही को भी स्वच्छ, स्वतंत्र और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। अदालत के इस फैसले को समझने के लिए 1993 के जेएमएम रिश्त कांड और 1998 में आए फैसले के साथ साथ 2012 के मुकदमे के बारे में जानने की जरूरत है। तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की अल्पमत सरकार पर आरोप लगे थे कि उसने 1993 में बहुमत साबित करने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसदों को रिश्त दी थी। पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन सहित कई सांसद इसमें शामिल पाए गए थे। लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई थी क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) की व्याख्या करते हुए तीन-दो के बहुमत से फैसला सुनाया था कि संसद के अंदर सांसदों को हासिल विशेषाधिकार के तहत इस मामले में सांसदों



पर आपराधिक मुकदमा नहीं चल सकता है। तब से यह स्थिति बनी हुई थी कि विशेषाधिकार के तहत रिश्त लेना भी शामिल है। यानी कोई सांसद या विधायक अगर रिश्त लेकर वोट करता है या सवाल पूछता है या बहस में हिस्सा लेता है तो उसके खिलाफ संसद या विधानसभा से बाहर मुकदमा नहीं चल सकता है। इतिहास कैसे त्रासदी के रूप में अपने को दोहराता है वह इस मामले में दिखा, जब 2012 के राज्यसभा चुनाव में शिबू सोरेन की बहु सीता सोरेन के ऊपर रिश्त लेकर निर्दलीय विधायक को वोट देने का आरोप लगा। जब उनके ऊपर मुकदमा कायम हुआ तो उन्होंने अपने समूह के मामले में आए 1998 के फैसले का हवाला दिया और अपने लिए मुकदमे से छूट मांगी। इसी मामले में 2014 से नए सिरे से 1998 के फैसले की समीक्षा शुरू हुई। पहले तीन जजों की बेंच ने सुनवाई की। फिर मामला पांच जजों की बेंच के पास गया और अंत में तय हुआ कि जब पहला फैसला पांच जजों की बेंच का है तो उससे

बड़ी बेंच को इस पर विचार करना चाहिए ताकि स्पष्टता आ सके। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में सात जजों की बेंच ने दो दिन यह मामला सुना और फैसला सुरक्षित रख लिया। अब अदालत ने एक राय से पुराने फैसले को पलट दिया है और कहा है कि घूस लेना विशेषाधिकार नहीं है। अदालत ने कहा है कि घूस लेना अपने आप में एक आपराधिक मामला है। घूस लेने के बाद इस बात का कोई मतलब नहीं रह जाता है कि आपने जिस काम के लिए घूस लिया वह काम किया या नहीं। अगर किसी सांसद ने वोट देने के लिए रिश्त ली है तो इससे मुकदमे की गुणवत्ता पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि रिश्त लेने के बाद उसने वोट दिया या नहीं या रिश्त देने वाले के हिसाब से उसने संसद में बात की या नहीं। रिश्त लेते ही अपराध का मामला बन जाता है। सो, सुप्रीम कोर्ट का फैसला बहुत स्पष्ट और दो टूक है। उम्मीद करनी चाहिए कि इससे संसद और राज्यों की विधानसभाओं की कार्यवाही पहले से

स्वच्छ होगी और ओवरऑल देश की राजनीति पर इसका सकारात्मक असर होगा। राजनेताओं की साथ बेहतर करने में इस फैसले की अहम भूमिका हो सकती है। इस सकारात्मक पहलू के बावजूद जेएमएम की विधायक सीता सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने वाले वकील राजू रामचंद्रन ने जो दलीलें दीं और जो सवाल उठाए उनकी अनेखी नहीं की जा सकती है। उन्होंने सांसदों के विशेषाधिकार की मौजूदा व्याख्या को अपूर्ण और एकपक्षीय बताया। उन्होंने कहा कि सिर्फ रिश्त लेकर वोट डालने के मामले पर विचार करने की बजाय सांसदों के आचरण, भाषण आदि पहलुओं पर भी विचार करना चाहिए। असल में अदालत के 1994 की व्यापक व्याख्या करती और घूस के साथ साथ दूसरे पहलुओं को भी शामिल करती। इसमें कोई संदेह नहीं है कि संसदीय विशेषाधिकार के तहत घूस लेने का अधिकार नहीं आता है। लेकिन क्या किसी सदन के अंदर किसी साथी सांसद को अपशब्द कहना या उसकी जाति या समुदाय को निशाना बना कर टिप्पणी करना संसदीय विशेषाधिकार के दायरे में आएगा? गौरतलब है कि संसद की नई इमारत में आयोजित पहलवें सत्र में भाजपा के सांसद रमेश विधुड़ी ने बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली को अपशब्द कहे थे। उनके मामले में लोकसभा के स्पीकर को फैसला करने वाला अंतिम प्राधिकार माना गया। तभी सवाल है कि क्या उस मामले में भी आपराधिक मुकदमा नहीं कायम होना चाहिए था? और अगर अभद्र या असंसदीय टिप्पणी करने पर कार्रवाई का अधिकार सदन के पीठासीन पदाधिकारी को है तो घूस के मामले में भी कार्रवाई का अधिकार उसी को क्यों नहीं होना चाहिए?

संक्षिप्त समाचार

सम्बलपुर एवं पुणे के मध्य तीन फेरे के लिए होली स्पेशल ट्रेन की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे द्वारा होली के अवसर पर सम्बलपुर-पुणे के मध्य गाड़ियों में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए एक होली स्पेशल सुपर फास्ट ट्रेन सम्बलपुर-पुणे-सम्बलपुर के मध्य तीन फेरे के लिये चलाई जायेगी एवं यह गाड़ी सम्बलपुर से 08327 नम्बर के साथ तथा पुणे से 08328 नम्बर के साथ चलेगी। 08327 सम्बलपुर-पुणे होली स्पेशल सम्बलपुर से दिनांक 17, 24 एवं 31 मार्च, 2024 तथा 08328 पुणे-सम्बलपुर होली स्पेशल पुणे से दिनांक 19 एवं 26 मार्च तथा 02 अप्रैल, 2024 को छुटेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 2 एस.एल.आर/एसएलआरडी, 06 सामान्य, 09, स्लीपर, 04 एसी-III, 01 एसी-II सहित कुल 22 कोच रहेगी। इस गाड़ी को विस्तृत समय-सारणी निम्नानुसार है-

08327 सम्बलपुर-पुणे होली स्पेशल	स्टेशन	08328 पुणे-सम्बलपुर होली स्पेशल
पुणे		पुणे
22.00	सम्बलपुर	13.30
22.35	काणूर रोड	12.45
23.05	कान्हाजी	11.47
00.35	दिहानगर	10.35
01.35	काठामाजी	09.50
02.35	छत्रियार रोड	08.50
03.45	महाराज	08.00
04.40	लाडोली	07.55
05.35	रायपुर	07.00
06.35	पुणे	06.15
06.59	राजवाडी	05.37
08.43	गोवर्धनी	04.04
10.50	रायपुर	01.45
11.58	बना	00.03
13.42	बदोरा	22.22
14.42	अकोला	20.37
16.45	पुलासा	18.15
19.05	जयसिंग	15.50
20.00	अहमदनगर	14.15
20.15	कोपरगाव	14.30
23.03	अहमदनगर	12.05
18.30	पुणे	19.00

अमृतसर-कोरबा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का आगरा एवं वीरगंगा लक्ष्मीबाई रेल मण्डल के अंतर्गत 12 रेलवे स्टेशनों की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 18238 कोरबा-अमृतसर-कोरबा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का उत्तर मध्य रेलवे के वीरगंगा लक्ष्मीबाई (झाँसी) एवं आगरा रेल मण्डल के अंतर्गत 12 रेलवे स्टेशनों की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है। उत्तर मध्य रेलवे के वीरगंगा लक्ष्मीबाई (झाँसी) एवं आगरा रेल मण्डल के अंतर्गत 12 रेलवे स्टेशनों में गाड़ी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है। नयी समय सारणी की जानकारी इस प्रकार है-

गाड़ी संख्या	रेलवे स्टेशन	पहच	छूट
18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस	आगरा	08.40	08.45
	धौलपुर जंक्शन	09.58	10.00
	भोला	10.21	10.23
	खालियार	10.52	10.54
	दिसवा	11.28	11.30
	दरिया	12.22	12.24
	वीरगंगा लक्ष्मीबाई	13.20	13.28
	बबोना	13.51	13.53
	बसई	14.04	14.05
	तालवेदेट	14.17	14.19
	ललितपुर	14.46	14.48
	घोर्सा	15.08	15.10

रामगंजमंडी सकल दिगांबर जैन समाज ने स्वस्तिभूषण माता जी को रामगंजमंडी आगमन हेतु निवेदन किया

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। परम पूज्या भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी को रामगंज मंडी दिगांबर जैन समाज ने बपावर पहुंचकर पूज्य गुम्बों को रामगंज मंडी आगमन हेतु निवेदन किया एवं श्रीफल समर्पित किया। इस अवसर पर पूज्य माताजी ने कविता के माध्यम से स्कूली बच्चों को भी संबोधित किया और बच्चों को गुस्सा नहीं करने की सीख दी एवं स्कूल की प्रधानाचार्य महोदय को भी पुस्तक प्रदान की रामगंज मंडी के समाज बंधुओं को माताजी ने दोनों हाथों से आशीर्वाद प्रदान किया। पूज्य माताजी ने रामगंज मंडी के निवेदन को बड़े ही भक्ति भाव पूज्य माताजी ने रामगंजमंडी के निवेदन पर मधुर मुस्कान के साथ मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। रामगंजमंडी समाज की ओर से दिलीप विनायक, कमल लुहाड़िया, रमेश चंद विनायक, प्रदीप सोनी, सुरेश कुमार जैन बाबरीया, राजकुमार



गंगवाल, संजय काला, सुरेंद्र जैन टोंग्या, अभिषेक जैन लुहाड़िया, यशवंत शाह, राजीव बाकलीवाल ने श्रीफल भेंट कर निवेदन किया। इस अवसर पर माताजी ने रामगंज मंडी का बड़ा ही महत्व है उस पर बोलते हुए रामगंज मंडी का बड़ा ही महत्व है बताते हुए कहा कि झूठ बोलने में पाखंडी का और भक्ति में रामगंज मंडी का बड़ा ही महत्व है। और बोलते हुए कहा किसान में हल का समय में पलका, और स्कूल में प्रिंसिपल का बड़ा ही महत्व है। -अभिषेक जैन लुहाड़िया

चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने आईएसएस रजत बंसल से मिलकर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के नाम का सौंपा ज्ञापन

छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शांति के निपटान अधिनियम, 2023 (सरल समाधान योजना) का अवधि 30.06.2024 तक बढ़ाया जाए : अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी के नेतृत्व में चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल माननीय श्री रजत बंसल जी (आई.ए.एस.) राज्य जीएसटी आयुक्त से मिलकर माननीय श्री ओ.पी. चौधरी जी, वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन के नाम का ज्ञापन सौंपते हुए छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शांति के निपटान अधिनियम, 2023 (सरल समाधान योजना) की तिथि को 30.06.2024 तक बढ़ाने का अनुरोध किया।



चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने पत्र के माध्यम से बताया कि बकाया कर, ब्याज एवं शांति के निपटान अधिनियम, 2023 (सरल समाधान योजना) के अंतर्गत बकाया कर, ब्याज एवं शांति की निपटान हेतु अधिसूचना दिनांक 15.09.2023 की जारी किया गया है जिसकी अंतिम तिथि 31.03.2024 को है। श्री पारवानी ने पत्र के माध्यम से माननीय वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री महोदय से अनुरोध किया है कि उक्त योजना में लगभग 8000 से 9000 प्रकरण शामिल हो गये हैं एवं हजारों प्रकरण अभी भी शामिल होने शेष है। मार्च माह में अत्यधिक अवकाश होने के कारण उक्त योजना में व्यवसायी भाग नहीं ले पा रहे हैं। अतः छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शांति के निपटान अधिनियम, 2023 (सरल समाधान योजना) की तिथि को 30.06.2024 तक बढ़ाया जावे ताकि अधिक से अधिक व्यवसायी इस योजना का लाभ ले सकें। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, प्रदेश प्रभारी आई.टी. सेल कैलाश खेरानी एवं टेक्नीकल टीम के सदस्य सी.ए. मुकेश मोटवानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कुसुम बाई चौधरी ने उत्कृष्ट साधना करते हुए अतिशय क्षेत्र कुंडलपुर में नश्वर देह का किया त्याग

आठ दिनों से चारों प्रकार के आहार का त्याग कर रखा था, चतुर्विध संघ का मिला मंगल सानिध्य

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के दिगांबर जैन समाज के प्रतिष्ठित चौधरी ज्ञानचंद कचराबाई के परिवार की बड़ी बहू सुश्राविका कुसुम बाई चौधरी (73) धर्मरत्नी चौधरी निर्मल जैन ने अपने जीवन काल में दो प्रतिमा का व्रत धारण किया था। अत्यंत ही धार्मिक प्रवृत्ति, सहज, सरल स्वभाव की कुसुम बाई ने व्रतों का निष्ठा पूर्वक पालन करते हुए धर्म की राह में चलते हुए पिछले आठ दिनों से चारों प्रकार के आहार का त्याग करते हुए बड़े बाबा के पाद मूल में चतुर्विध संघ के मंगल सानिध्य में मध्यप्रदेश के दमोह जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र कुंडलपुर में 12 मार्च 2024 को सुबह 8.45 बजे अपने नश्वर शरीर का त्याग कर अपना जीवन सफल कर लिया। विभिन्न धार्मिक आयोजन में बड़े चढ़कर भाग लेना इनके दैनिक क्रिया में शामिल था। इस दौरान उनके सभी परिजन वहां मौजूद थे।

कब कब लिया प्रतिमा का व्रत : पहली प्रतिमा संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर से चंद्रगिरी डोंगरगढ़ में सन 2013 में ग्रहण की थी। दूसरी प्रतिमा चर्चा शिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज से 2016 में वैशालीनगर भिलाई चातुर्मास के दौरान ली थी।

सास ने भी किया था समाधिमारण : कुसुम बाई की सास कचरा बाई भी अत्यंत धार्मिक प्रवृत्ति की थी। गृहस्थ में रहते हुए भी त्यागियों सा जीवन जिया। उन्होंने सात प्रतिमा के व्रत धारण कर समाधि मरण किया था। उनकी सल्लेखना करने के लिए बुंदेलखंड के प्रथम आचार्य गणाचार्य विराग सागर महाराज संसंध राजिम पथारे थे। जो उस समय भिलाई में विराजित थे। विराग सागर ने उन्हें 27 जनवरी 2004 को धुसिका दीक्षा दी। तीन दिन तक आहार लेने के बाद आचार्य



श्री से व्रत बढ़ाने की याचना की जिसे स्वीकार कर उन्हें आर्यिका दीक्षा प्रदान कर चारों प्रकार के आहार का त्याग कराया। समता पूर्वक नियमों का पालन करते हुए 4 फरवरी 2004 को सायं 4 बजे नश्वर शरीर का त्याग कर दिया। अगले दिन भव्य डोला निकालकर उत्सव मनाते हुए अंतिम संस्कार राजिम रोड स्थित नसिया जी में किया गया।

कुंडलपुर में होना है समय सागर जी का आचार्य पदारोहण : संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने छत्तीसगढ़ के चंद्रगिरी में शनिवार 17 फरवरी को देर रात 2.35 बजे अंतिम श्वास ली। अपना आचार्य पद अपने प्रथम शिष्य समय सागर को दिया है। समय सागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण इसी अतिशय क्षेत्र में आगामी माह में संभावित है। इसी परिप्रेक्ष्य में विद्यासागर जी से

दीक्षित सभी शिष्यों का कुंडलपुर की ओर विहार चल रहा है।

कई संघों के साधुओं का मिला मंगल सानिध्य : कुसुम बाई ने बगैर शिथिलचार के बड़ी दृढ़ता से अपने व्रतों का पालन किया इसलिए उन्हें बड़े बाबा का दरबार और संतों का सानिध्य मिला। जबलपुर हाईवे में पुनीत मति माताजी, विशिष्ट श्री माताजी संसंध का, कुंडलपुर में विशद सागर महाराज, विराट सागर जी महाराज संसंध (5 पिछो), सन्मति सागर जी महाराज की शिष्या सुधि भूषण माताजी, विश्वयश श्री माताजी। प्रमुख रूप से विशद सागर जी महाराज, ब्रह्मचरिणी संजीव भैया, अरुण भैया ने क्षपक की समता पूर्वक समाधि कराई।

छोड़ गई भरा पूरा परिवार : तीन भाइयों चौधरी निर्मल कुमार - कुसुम बाई, अभय कुमार - कामिनी चौधरी, राकेश कुमार - सुषमा चौधरी, पुत्र-पुत्रवधु, अजय - प्रीति, सौरभ - अनुभा, समीर - मनीषा सहित दो पोते, चार पोतियों से भरा पूरा परिवार छोड़ गई। -संजय राजू जैन

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने हेतु शंकराचार्यों द्वारा प्रेरित आंदोलन में सिन्धी समाज भी हुआ शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के पूज्यपाद चारों शंकराचार्यों द्वारा गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने एवं गोहत्या बंद करवाने हेतु प्रेरित आंदोलन में शामिल होते हुए पूज्य राजेन्द्रनगर, अमलीडीह एवं महावीरनगर (राम) सिंधी पंचायत द्वारा भगवान झूलाल की 56 फुट ऊंची प्रतिमा के तले 10 मार्च को गोष्ठी एवं 11 मार्च को विशाल धर्मसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय मसन्द सेवाश्रम के पीठाधीश साई जलकुमार मसन्द साहिब के आह्वान पर किया गया। पूज्यपाद साई मसन्द साहिब करीब 12 वर्षों से देश के पूज्यपाद शंकराचार्यों एवं सैकड़ों अन्य बड़े संतों के सहयोग से देश में सनातन वैदिक सिद्धांतों के आधार पर धर्म का शासन स्थापित कर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का अभियान चला रहे हैं।

गोष्ठी में पूज्य पंचायत के अध्यक्ष मुख्ती गिरीश लहेजा ने बताया कि वे करीब 22 वर्षों से बजरंग दल से जुड़े हुए हैं और पिछले 15 वर्षों से बजरंग दल के गौरश आचार्य का दायित्व निभा रहे हैं। उनकी टीम ने अब तक गोहत्या हेतु परिवहन की जाने वाली करीब साढ़े तीन हजार ट्रकों को जप्त करवाने में सफलता प्राप्त की है। गोष्ठी में पूज्य पंचायत के संरक्षक श्रवणकुमार बुधवाणी, महासचिव राजकुमार मंजर एवं अन्य पदाधिकारियों सुरेश दासवाणी, राजकुमार पंजवाणी आदि ने भी विचार पंजवाणी आदि ने भी विचार व्यक्त किये। पूज्य छत्तीसगढ़ सिन्धी पंचायत के कार्यकारी अध्यक्ष महेश रोहरा और युवा भाजपा नेता मनीष राजकुमार ने साई मसन्द से इस आंदोलन को छत्तीसगढ़ के अन्य इलाकों में भी फैलाने में सक्रिय योगदान करने की बात कही।

गोष्ठी के प्रारंभ में मुख्य अतिथि साई मसन्द साहिब ने पूज्यपाद शंकराचार्य द्वय स्वामी सदानंद सरस्वती एवं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कर सम्पूर्ण भारत में गोहत्या समाप्त करने के विषय में लिखे पत्रों को पढ़कर सुनाया। अगले दिन चन्द्रदिवस के उपलक्ष्य में 11 मार्च को आयोजित विशाल धर्मसभा में पूज्य छत्तीसगढ़ सिन्धी पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री महेश दरगणी अपने समस्त पदाधिकारियों के साथ विशेष आमंत्रित रहे। इस अवसर पर इन सभी पदाधिकारियों के साथ-साथ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल महिला व पुरुष समाज सेवकों ने भी अपनी सफलता के लिए संत साई मसन्द साहिब से आशीर्वाद प्राप्त किया। -मयंक मसन्द

नसियां जी दादाबाड़ी में अत्याधुनिक और वातानुकूलित भोजनशाला का भव्य उद्घाटन

कोटा/राजस्थान (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन त्रिकाल चौबीसी पुण्योदय क्षेत्र नसियां जी दादाबाड़ी में लाखों की लागत से निर्मित अत्याधुनिक और वातानुकूलित भोजनशाला का भव्य उद्घाटन आदित्यसागर जी महाराज के कर कमलों से हुआ। मंदिर के अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर भोजनशाला के मुख्य उद्घाटनकर्ता राजेंद्र जैन हुकम जैन काका हरसौर परिवार, महावीर मित्तल, विवेक ठौरा परिवार रहे। महाराज श्री के मंत्रोच्चार के बाद फीता खोलकर भोजनशाला का उद्घाटन किया गया। उसके बाद भोजनशाला में महाराजश्री की मौजूदगी में भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष बाल ब्रह्मचारिणी आशा दीदी द्वारा दीप प्रज्वलन कर उसका विधिवत शुभारंभ किया गया।



इस अवसर पर मंदिर के निदेशक व मुख्य उद्घाटनकर्ता हुकम जैन काका ने कहा कि इस अत्याधुनिक भोजनशाला में मुख्य योगदान इंटरियर डिजाइन आर्किटेक्ट अनुश्री जैन व बालिका छात्रावास की अध्यक्ष अर्चना रानी सर्राफ का रहा, जिन्होंने मेहनत और लगन से अपना कीमती समय देकर इसके निर्माण को भव्य बनाया। उन्होंने कहा कि नसियां जी जैन मंदिर में भव्य एवं अत्याधुनिक भोजनशाला का निर्माण जैन समाजबंधुओं के लिए सुविधाजनक दृष्टिकोण से किया गया है, जहां एकसाथ 60 लोग बैठकर भोजन कर सकेंगे। हुकम काका ने कहा कि देशभर के कोने-कोने से आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए

पुण्योदय अतिशय क्षेत्र कमेटी के द्वारा बहुत ही सुंदर सर्वसुविधायुक्त, हाईजेनिक, वातानुकूलित भोजनशाला का निर्माण किया गया है, जिसका शुभारंभ आज पूज्य आदित्य सागर जी महाराज के सानिध्य में किया गया। हुकम काका ने कहा कि मुनि पुंगव सुसाधारण जी महाराज आशीर्वाद और प्रेरणा से इस क्षेत्र के सभी विकास कार्य चल रहे हैं। महाराज श्री का क्षेत्र कमेटी को आशीर्वाद और निदेश हैं बढ़िया से बढ़िया उच्च क्वालिटी का निर्माण कराएं और आने वाले यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। मंदिर के अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ ने कहा कि नई भोजनशाला में भोजन की गुणवत्ता और शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि आने वाले यात्रियों समाज बंधुओं को इसका लाभ मिले। व समस्त हाड़ोती की महिला मंडलों व सामाजिक संगठनों व धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन के पश्चात भोजन का लाभ यही ले सकें संपूर्ण हाड़ोती में यह अपनी तरह की पहली भोजनशाला होगी। -अभिषेक जैन लुहाड़िया

चुनाव प्रचार के लिए छापे गये पाम्पलेट-पोस्टरों की जानकारी 72 घंटे के भीतर जिला निर्वाचन अधिकारी को देंगे मुद्रक

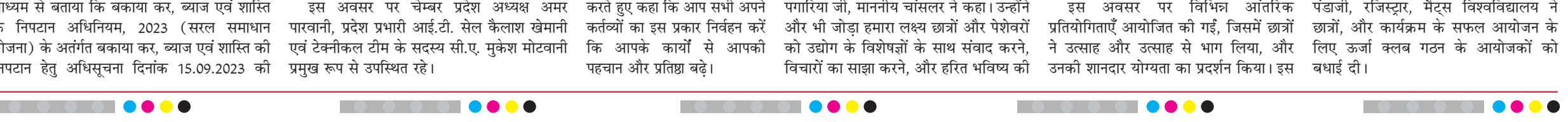
रायपुर (विश्व परिवार)। आगामी लोकसभा निर्वाचन-2024 की तैयारियों के संबंध में आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले के विभिन्न प्रिंटरों और प्रकाशकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई। रेडक्रॉस सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर बन्दे और मास्टर ट्रेनरों ने प्रिंटरों और मुद्रकों को लोकसभा निर्वाचन के दौरान छापी जाने वाली राजनैतिक प्रचार-प्रसार सामग्रियों के बारे में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। श्री बन्दे ने बैठक में कहा कि विधानसभा निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होते ही सभी प्रिंटरों-मुद्रकों और प्रकाशकों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में निहित



प्रावधानों और दिशा-निर्देशों का पालन करना बंधनकारी होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मुद्रकों को यह जिम्मेदारी होगी कि वह निर्वाचन के दौरान प्रचार के लिए छापी गई सामग्री को तीन प्रतियां और प्रकाशक की घोषणा जिला निर्वाचन कार्यालय में छापई के 72 घंटे या तीन दिन के भीतर जमा करावें। उन्होंने कहा कि मुद्रित की गई सामग्रियों पर

मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम तथा मुद्रित संख्या अंकित करना अनिवार्य होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन के लिए प्रचार-प्रसार की सामग्री में मुद्रित किये जाने वाला मैटर आदर्श आचार संहिता के दायरे में रहेगा। बैठक में मास्टर ट्रेनर ने बताया कि किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री जैसे हैंडबिल, पम्पलेट, पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स आदि को छापने के लिए संबंधित व्यक्ति द्वारा मुद्रक को घोषणा पत्र भरकर ही आर्डर दिया जायेगा। मास्टर ट्रेनर ने मुद्रकों को बताया कि बिना घोषणा पत्र वाले प्रिंटिंग आर्डर वे ना लें। बैठक में आगे बताया गया कि प्रचार सामग्री छापने के 72 घंटे के अंदर मुद्रित सामग्री को तीन सेट और प्रकाशक की घोषणा को जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी मुद्रकों की होगी। इस दौरान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर दंडात्मक कार्यवाही भी की जायेगी। इस अधिनियम का उल्लंघन करने पर छः महिने का कारावास और दो हजार रुपये जुर्माना या दोनों भी किया जा सकता है।

पोस्टर-पाम्पलेट में प्रकाशक-मुद्रक का नाम और संख्या नहीं छापने पर होगी कार्यवाही



दैनिक विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

गरीब महिला के घर पर दबंग पड़ोसी ने चलाया बुलडोजर

बिलासपुर(विश्व परिवार)। बिलासपुर में एक दबंग पड़ोसी ने गरीब महिला से विवाद के बाद उसका मकान बुलडोजर चलाया कर देहा दिया। विरोध करने पर महिलाओं के साथ जमकर मारपीट भी की गई, जिस महिला का घर तोड़ा गया वह बीच सड़क में रह-रहकर रोने लगी। दोनों पक्षों के विवाद में 8 लोग घायल हो गए। दयालबंद सोनकर मोहल्ले में रविवार की घटना से नाराज लोगों ने चक्काजाम कर दिया। वहीं पुलिस राजस्व का मामला बताकर तमाशा देखती रही। साधना रजक रोजी-मजदूरी करती हैं। उनके पड़ोसी गिरधारी गोर्ख से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। कल शाम करीब पांच बजे गिरधारी गोर्ख और उसके लोग बुलडोजर लेकर पहुंच गए। यहां उन्होंने महिला के मकान को बुलडोजर से देहा दिया। मना करने पर विवाद करते हुए गाली-गलौज कर उनकी पिटाई भी कर दी।

मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ाया

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले की गैडटोला पुलिस को मवेशियों से भरे एक ट्रक को पकड़ने में सफलता मिली है। ट्रक में 29 मवेशियों को भरकर बुजड़ खाना ले जाया जा रहा था। वहीं वाहन चालक मवेशी भरे वाहन को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को रात्रि में डोंगरगांव थाना क्षेत्र की ओर से थाना गैडटोला क्षेत्र होकर महाराष्ट्र सीमा पर करने जा रही ट्रक 06 चक्का अशोक लिलैंड को गौरक्षा दल के द्वारा रोकने के लिए पीछा किया गया था। इस दौरान मवेशी तस्कर मवेशी भरे वाहन को थाना गैडटोला के ग्राम सागर के पास रोड में रोक कर मौके पर छोड़ कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जिसके बाद छत्तीसगढ़ गौरक्षा दल अध्यक्ष मनोज जंघेल द्वारा इसकी सूचना थाने में दी गई। जिसपर मौके पर पहुंचकर गैडटोला पुलिस ने वाहन को जब्त किया तथा मवेशियों को वाहन से उतरवाकर उनका रेस्क्यू किया गया। साथ ही फरार वाहन चालक के खिलाफ अपराध धारा 4, 6, 10, 12, 302, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000.

डेम के बाहर घूम रहे मगरमच्छ को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर डेम में छोड़ा

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिल्ली के आश्रित ग्राम शिवपुर में कुम्भीपानी डेम के बाहर विचरण कर रहे एक मगरमच्छ को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित डेम में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार पाली वन परिक्षेत्राधिकारी संजय लकड़ा को आज प्रातरु शिवपुर के ग्रामीणों ने सूचना दी कि गांव में स्थित कुम्भीपानी डेम का पानी सूख गया है और डेम के बाहर एक मगरमच्छ घूम रहा है। मगरमच्छ के विचरण से ग्रामीणों को खतरा हो सकता है। इस सूचना पर वन परिक्षेत्राधिकारी संजय लकड़ा तत्काल अपनी टीम के साथ शिवपुर गांव पहुंचे और डेम के बाहर घूम रहे मगरमच्छ को रेस्क्यू कर क्षेत्र में स्थित बांकी डेम में सुरक्षित छोड़ दिया। मगरमच्छ को रेस्क्यू करने में टीम को लगभग एक घंटा का समय लगा। इस अभियान में रेंजर लकड़ा के अलावा वन विभाग के अन्य कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सरकारी नौकरी व संपत्ति हासिल करने भतीजे ने सुपारी देकर चाची पर चलवाई थी गोली

मनेंद्रगढ़(विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम सिरौली में महिला पर गोली चलाने वाले 6 आरोपियों को मनेंद्रगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि महिला के भतीजे ने ही महिला की सरकारी नौकरी तथा संपत्ति को हासिल करने के लिए महिला की हत्या करने के लिए एक लाख रूपए में सुपारी दी थी। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम सिरौली में एक महिला के ऊपर कुछ अनजान व्यक्तियों ने गोली चलाई थी। महिला को मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहीं इस गोलीकांड के मामले ने पूरे जिले में हड़कंप मचा हुआ था साथ ही इस मामले को सुलझाना पुलिस के लिए भी चुनौती थी। पुलिस लगातार आरोपियों को पकड़ने के लिए हर एक स्तर पर जांच कर रहा था। इसी दौरान मंगलवार को इस गोलीकांड के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें एक महिला भी शामिल है।

शासन की योजनाओं का निचले स्तर तक पहुंच सुनिश्चित करने प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

देर रात तक चली बैठक में शासन की मंशानुरूप योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन करने निर्देशित किया

कांकेर(विश्व परिवार)। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्याय एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री वृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार 11 मार्च की देर रात जिला स्तर के अधिकारियों की मेराथन बैठक लेकर केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करने और शासन की मंशानुरूप निचले स्तर पर पहुंच सुगम करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि वे किसी भी योजना के क्रियान्वयन से पहले व्यवस्थित रणनीति तैयार



कर लें ताकि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ लेने से वंचित न रह जाए। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि इसमें

लापरवाही अथवा हिलारि कर्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि नई सरकार से जनता को कई

उन्होंने आगे कहा कि पिछले तीन महीने में ही सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शासन की मंशानुरूप हितग्राहीमूलक योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन में तेजी लाने। जिला पंचायत के सभाकक्ष में देर रात शुरू हुई बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री श्री अग्रवाल ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति और प्रथम किस्त जारी किए जाने उपरांत भी निर्माण के लिए एंजिनेरिंग विभाग को प्रारंभ पर नाराजगी जाहिर करते हुए इस माह के अंत तक सभी सभी कार्य प्रारंभ करने जिला पंचायत के सीईओ को निर्देशित किया। इसी

तरह वर्ष 2014-15 और 2015-16 में किसानों को जारी की गई प्रोत्साहन राशि के शेष बचे हुए किसानों का भुगतान 20 मार्च तक हरहाल में सुनिश्चित करने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने जलजीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देशित किया कि योजना के तहत निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले पानी के स्रोत का पता करें। वहीं क्रेडा के तहत लगने वाले सोलर पैनल के लिए दोनों विभागों को समन्वय के साथ कार्य निष्पादित करने के लिए निर्देशित किया।

विष्णुदेव साय की सरकार किसानों के सच्चे हितकारी, कीचड़ मिट्टी में एक होके किए किसानों का काम का मिला सही इनाम : किसान दुर्गाराम

मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन से किसान दुर्गाराम को मिली 13 लाख 35 हजार रुपए से अधिक की आदान सहायता राशि

मुख्यमंत्री श्री साय के हथौड़े सहायता राशि का प्रमाण पत्र पाकर किसान दुर्गाराम हुआ गदगद

बालोद(विश्व परिवार)। दशकों से खेती किसानों के काम करते आ रहे बालोद जिले के कोटागांव के किसान श्री दुर्गाराम देशमुख को कभी एहसास भी नहीं हुआ होगा कि उनके धान के आदान सहायता राशि के रूप में आज एक साथ 13 लाख 35 हजार रूपए से अधिक राशि प्राप्त हुई है। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हथौड़े इतनी बड़ी राशि का प्रमाण पत्र पाकर किसान दुर्गाराम खुशी के मारे फुले नहीं समाए। धान की आदान सहायता राशि पाकर किसान दुर्गाराम ने विष्णुदेव साय सरकार

की खूब तारीफ की। साथ ही इस सरकार को किसानों के सच्चे हितकारी भी बताया। उन्होंने कहा कि किसानों के दुख दर्द को समझने वाले मुख्यमंत्री ने हमें धान का मूल्य 3100 रूपए प्रति क्विंटल प्रदान किया, जो की पूरे देश में सर्वाधिक है। वास्तव में कीचड़ मिट्टी में मिल के किए किसानों कार्य और किसानों के सम्मान के लिए सही इनाम सरकार की ओर से मिला है। लगभग 70 एकड़ जमीन में खेती करने वाले किसान दुर्गाराम लगभग 46 सदस्यों के एक संयुक्त परिवार के मुखिया है। उनके 5 पुत्र कृषि कार्यों में संलग्न हैं। सभी मिल जुलकर खेती किसानों का कार्य करते हैं। लगभग 90 वर्षीय किसान श्री दुर्गा राम धार्मिक आस्था और भगवान श्री राम के सच्चे श्रद्धालु हैं। दुर्गाराम के पुत्र श्री लोमसिंह देशमुख ने बताया कि उनके पिताजी प्रत्येक वर्ष पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में और माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक राजिम कुंभ मेले के अर्वाधि में 15 दिन तक राजिम में निवास करते हैं। उन्होंने बताया की धान की सहायता राशि

से वह धर्म नगरी राजिम में एक पक्का मकान बनाएंगे। जिससे उन्हें भगवान श्री राजीव लोचन की नगरी में रहने में सहूलियत होगी। उल्लेखनीय है कि मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन के फलस्वरूप किसानों को उनके उपज का वाजिब दाम दिलाते छत्तीसगढ़ के किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य देने आज कृषक उन्नति योजना की शुरुआत हुई। इसके तहत किसानों को समर्थन मूल्य के अलावा 917 रूपए प्रति क्विंटल की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की गई। इससे किसानों को समर्थन मूल्य मिलाकर प्रति क्विंटल 3100 रूपये धान की कीमत मिली। इससे छत्तीसगढ़ के किसानों का आत्मविश्वास खूब बढ़ेगा और खेती किसानों में भी तरकीबी होगी। साथ ही आर्थिक रूप से भी छत्तीसगढ़ के किसान किसी से कम नहीं होंगे। किसान श्री दुर्गा राम ने किसानों के हित के बारे में सोचने और उस बात को अमल करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का खुले मन से तारीफ किया और आभार जताया।

धान खरीदी की अंतर राशि मिलने की खुशी जाहिर कर रहे हैं किसान

कृषक उन्नति योजना कार्यक्रम का जिला स्तर पर आयोजन मिनो स्टेटियम बीजापुर में

बीजापुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार अपने वायदे के अनुसार 12 मार्च को प्रति क्विंटल 31 सौ रूपए धान खरीदी की शेष राशि कृषक उन्नति योजना कार्यक्रम के दौरान देने जा रही है। जिले के किसानों में अंतर की राशि मिलने से उत्साह और उमंग का वातावरण निर्मित हो रहा है। कृषक अपनी-अपनी खुशी अपने-अपने अंदाज में जाहिर कर रहे हैं। ऐसे ही इंटरपाल के किसानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मोदी की एक और गारंटी पूरा करने के लिए जय-जवान जय किसान का नारा लगाकर खुशी जाहिर कर

धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। तो वहीं इंटरपाल के निवासी वृजलाल भोयर ने बताया कि सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदे हैं और प्रति क्विंटल 31 सौ रूपए में धान खरीद कर अपना वायदा पूरा किया है, मैं 20-22 एकड़ में कृषि कार्य करता हूँ। कल मुझे एक अच्छी एकम मिल जाएगी, अंतर की राशि मिलने से मैं और हम सभी किसान बहुत खुश है। मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में अच्छा निर्णय लिया है हम और भी मेहनत और लगन से खेती-किसानी कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार पाएंगे। सरकार के इस योजना के लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का सदैव आभारी रहूंगा।

कलेक्टर ने हित एंड रन मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा योजना, 2022 के क्रियान्वयन के संबंध में ली बैठक

योजना के तहत हित एंड रन मोटर दुर्घटना में मृत्यु पर दो लाख और गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए मुआवजा होगा देय

रायगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल की अध्यक्षता में हित एंड रन मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा योजना, 2022 के क्रियान्वयन के संबंध में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। उक्त योजना सोलाशियम योजना 1989 को अधिक्रमिता करती है तथा मृत व्यक्ति के परिजनों को 2.00 लाख तथा गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50 हजार रूपये का मुआवजा देय

होगा। कलेक्टर श्री गोयल ने हित एंड रन मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा योजना, 2022 के जिले में क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नवीन योजना का समुचित प्रचार किया जाए। जिससे लोगों को योजना के बारे में जानकारी हो। साथ ही प्राप्त प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण हेतु नियमित रूप से योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के निर्देश दिए। बैठक में सीएमएचओ रायगढ़ डॉ.आर.एन.मंडवी, डीएसपी ट्रैफिक श्री रमेश चंद्रा, तहसीलदार रायगढ़ श्री लोमस मिर्री, शाखा प्रबंधक द न्यू इंडिया इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड रायगढ़, समिति सदस्य श्री गौरव शर्मा व श्री कौशल कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

अंतर की राशि मिलने से जिले के किसानों में खुशी का माहौल

श्रीमती सगो बाई, मंगलराम और कैलाश राम ने कहा, मोदी की गारंटी हुई पूरी

कांकेर(विश्व परिवार)। कृषि उन्नति योजना के तहत आज किसानों को आदान सहायता राशि वितरण समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने वरुंडाल माध्यम से राज्य के 24 लाख 72 हजार से अधिक किसानों को 13 हजार 320 करोड़ रूपए की आदान सहायता राशि बटन दबाकर सीधे उनके खाते में अंतरित किया। मुख्यमंत्री के बटन दवाते ही किसानों के खाते में आदान सहायता राशि अंतरित

होते ही जिले के किसानों में खुशी का माहौल है। जिले के कृषि उपज मंडी परिसर में कृषि उन्नति योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम शामिल होने पहुंचे कांकेर विकासखंड के ग्राम पुसवाड़ा निवासी किसान श्री कैलाश नेताम ने बताया कि मोदी की गारंटी के तहत 31 सौ रूपए में धान खरीदने का जो घोषणा की गई थी, उसके अनुरूप आज शासन द्वारा अंतर की राशि दी गई है। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी की एक और गारंटी पूरी हुई है। श्री नेताम ने बताया कि आज उन्हें मिलने वाली राशि का उपयोग अपने खेती कार्य को आगे

बढ़ाने और खेत के मरम्मत कार्य में उपयोग करेंगे। इसी प्रकार गढ़पिछवाड़ी निवासी महिला कृषक श्रीमती सगोबाई भी धान की अंतर राशि मिलने पर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग खेती कार्य में लगाकर और अधिक उत्पादन प्राप्त करेंगी। साथ ही घर के जरूरतों के साथ बच्चों के पढ़ाई-लिखाई में भी लगाएंगी। उन्होंने मोदी की गारंटी पूरा होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद दिया। कांकेर विकासखंड के ग्राम मरदापोटी के रहने वाले किसान श्री

मंगलराम मंडवी ने बताया कि आज अंतर की राशि मिल रही है, जिससे वे बहुत खुश हैं। इस राशि से खेती कार्य में बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन के ही रामलला दर्शन योजना के तहत उन्हें अयोध्या जाने का मौका मिला और भगवान श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री साय को प्रति आभार प्रकट किया। इसी प्रकार तालाकुरा निवासी श्री नारायण जैन ने भी धान की अंतर की राशि मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि मोदी की गारंटी पूरी हुई।

जगदलपुर-दिल्ली विमान का वॉटर कैनिन से किया गया स्वागत

विधायक श्री किरण देव ने दी बस्तर वासियों को बधाई बस्तर के लिए ऐतिहासिक लम्हा : शहर से दिल्ली के लिए फ्लाइट आज हुई रवाना

जगदलपुर(विश्व परिवार)। बस्तर की बहुप्रतीक्षित मांग आखिरकार मंगलवार को पूरी हो गई जब दिल्ली से जगदलपुर हवाई सेवा से जुड़ गई। एलायन्स एयर की फ्लाइट दिल्ली से शुरू होकर जबलपुर होते जगदलपुर सुबह 11.30 बजे लैंड किया। विमान के आगमन पर मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर उसका वाटर केनिन से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विधायक किरण देव ने प्रधानमंत्री, विमान मंत्रालय, मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए दिल्ली के लिए सीधी सेवा के लिए बस्तर वासियों को बधाई दी। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन के



प्रयासों की सराहना की। बस्तर के लिए ऐतिहासिक लम्हा जब शहर से दिल्ली के लिए फ्लाइट आज रवाना हुई। सप्ताह में दो दिन सोमवार और शुरुवार को फ्लाइट यहां से ऑपरेट होगी। दिल्ली से सुबह 7.30बजे उड़ान करते हुए दिल्ली के लिए सीधी सेवा के लिए बस्तर वासियों को बधाई दी। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन के

भरकर 11.35 बजे जगदलपुर पहुंचेगी। दोपहर 12 बजे फ्लाइट यहां से रवाना होगी दोपहर 1.25 बजे जबलपुर पहुंचेगी। यहां से फ्लाइट 1.50 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी जो कि दोपहर 3.55 बजे दिल्ली पहुंचेगी। पहले दिन शहर से दिल्ली के लिए उड़ान भरने 27 यात्रियों ने टिकट बुक करवाई है। इसी विमान

से 24 यात्री जगदलपुर पहुंचे। विमान की दिल्ली के लिए सेवा प्रारंभ होने पर कलेक्टर विजय दयाराम के ने विमान सेवा के विस्तार के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के साथ ही बस्तर में विमान सेवा बढ़ाने का लगातार प्रयास किया गया जिसमें स्थानीय विधायक श्री देव की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। हमारे एयरपोर्ट से इस माह दो विमान सेवा प्रारंभ की जा रही है जो क्षेत्र के विकास, पर्यटन, व्यापार के लिए लाभप्रद होगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप,महापौर श्रीमती सपेरा साहू, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, कमिश्नर श्याम धावड़े, आईजी सुंदरराज पी.,पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, अपर कलेक्टर सी पी बघेल, एयरपोर्ट संचालक विदेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

बीजापुर(विश्व परिवार)। कृषि विभाग एवं चिराग द्वारा ब्लॉक भैरमगढ़ के ग्राम पंचायत मंगलनार के आश्रित ग्राम ओडसा में किसानों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को जैविक खेती करने के तरीके और उससे होने वाले आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी फायदे के बारे में जानकारी दी, पीसीआई इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस के ब्लॉक समन्वयक जुबैर आलम के द्वारा ग्रामीणों को पोषण से संबंधित जानकारी साझा की गई। परिमल फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम अधिकारी सूरज सिंह के द्वारा टीबी बीमारी के लक्षण दो सप्ताह से खांसि आना, बार.बार बुखार आना, थूथन लगना, शरीर लगातार कमजोर होना, रात को सोते समय पसीना आना, सोने में दर्द होना, गले में गांठे होना तथा टीबी के इलाज और इलाज के दौरान सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधाओं और संक्रमित व्यक्ति को क्या.क्या सावधानियां अपनानी चाहिए इन सभी बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही गांव में टीबी रोग के संभावित 14 मरीजों के संपर्क भी लिए गए।

व्यापार समाचार

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में रहा

मुंबई (एजेंसी)। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि प्रतिभागी अमेरिका में फरवरी के मुद्रास्फीति के आंकड़ों और भारत में फरवरी के मुद्रास्फीति के आंकड़ों तथा जनवरी के आईआईपी आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, सकारात्मक धरे लू शेयर बाजार, विदेशी कोषों की आवक और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी से निवेशकों की भावना मजबूत हुई। दूसरी ओर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने स्थानीय मुद्रा को बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.74 पर खुला, और फिर मजबूती के साथ 82.72 पर पहुंच गया। इस तरह रुपये ने पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त दर्ज की। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट के साथ 82.75 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत घटकर 104.80 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड बायदा 0.36 प्रतिशत बढ़कर 82.51 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,212.76 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

यात्री वाहनों ने फरवरी में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ी। उद्योग निकाय सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि स्पोर्ट यूटील्टी वाहनों (एसयूवी) की बाजार पर पकड़ बरकरार है। ऑटो कंपनियों ने पिछले महीने डीलरों को कुल 3,70,786 यात्री वाहन भेजे, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,34,790 इकाई था। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने एक बयान में कहा, यात्री वाहनों ने इस साल फरवरी में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा फरवरी 2023 की तुलना में 10.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख इकाई रहा। समीक्षाधीन माह में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 35 प्रतिशत बढ़कर 15,20,761 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 11,29,661 इकाई थी। इसी तरह तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में 54,584 इकाई रही, जो पिछले साल समान माह में 50,382 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने एक बयान में कहा कि पिछले साल के मुकाबले फरवरी 2024 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में थोड़ी गिरावट हुई।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने 2024 इंटरनेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप्स के लिए अपने लाइनअप की घोषणा की

गुरुग्राम (एजेंसी)। भारतीय राइडर्स को विश्वस्तरीय मंच पर प्रोत्साहित करने के प्रयासों के जारी रखते हुए होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने 2024 सीज़न के लिए अपने इंटरनेशनल रेसिंग स्कैड का अनावरण किया। इंटरनेशनल रेसिंग सर्किट पर अपने कौशल के प्रदर्शन के लिए तैयार, आईडेमिडस होण्डा रेसिंग इंडिया के चार राइडर, 2024 एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी), थाईलैण्ड टैलेंट कप (टीटीसी) और एशिया टैलेंट कप (एटीसी) में एशिया के शीर्ष पायदान के प्रतिस्पर्धियों के साथ मुकाबला करेंगे। 2024 एआरआरसी सीज़न के एपी250सीसी क्लास के लिए एकमात्र भारतीय दल- आईडेमिडस होण्डा रेसिंग इंडिया की टीम में प्रतिभाशाली युवा कवीन समार किंटल शामिल हैं, जो होण्डा इंडिया टैलेंट कप 2023 के मौजूदा चैम्पियन हैं। 2023 एआरआरसी में प्रतिस्पर्धा के बाद, वे 37 विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में 16वें स्थान पर हैं। उन्होंने एशिया टैलेंट कप 2022 का प्रतिनिधित्व भी किया था। उनके साथ होण्डा इंडिया टैलेंट कप 2023 के सैकण्ड रनर-अप सहमति बनी हैं। जिन्होंने 2023 एआरआरसी में होण्डा रेसिंग इंडिया का प्रतिनिधित्व किया और 37 प्रतियोगियों में 30वें स्थान पर रहे। एशियाई मंच पर उभरते भारतीय राइडर्स को अपने कौशल प्रदर्शन एवं करियर के विकास के मार्ग प्रशस्त करते हुए, होण्डा रेसिंग इंडिया के उभरते सितारे रश्मि रावे 2024 एशिया टैलेंट कप और थाईलैण्ड टैलेंट कप दोनों में अपनी पहली इंटरनेशनल यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल हैं- होण्डा इंडिया टैलेंट कप 2023 में फस्ट रनर-अप का खिताब हासिल करना।

म्यूचुअल फंड में महिलाओं की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बात पैसे बचाने की हो तो महिलाओं की अधिकतर सुरक्षित निवेश या सेविंग्स का रुख करते देखा जाता है। लेकिन इस बीच महिलाओं ने बाजार में दिलचस्पी दिखाई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स के आंकड़ों की मांगे तो म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2017 में 15 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर 2023 में लगभग 21 प्रतिशत हो गई है। यानी कि महिला निवेशक अब म्यूचुअल फंड में निवेश को लेकर दिलचस्पी दिखा रही हैं। इस साल फरवरी में म्यूचुअल फंड में प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति 50 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई, इसका कारण ये भी माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में निष्क्रिय निवेशक बचत करने और ज्यादा कमाने का टारगेट बना कर म्यूचुअल फंड का रुख कर रहे हैं। एफ़्डी के आंकड़ों से एक और बात का बतलाता है कि विकास की यह गति इस अवधि के दौरान शहरी केंद्रों की तुलना में अतिक्रमिता या अल्पविकसित केंद्रों में अधिक थी। बी-30 शहरों में महिला पोर्टफोलियो और संपत्ति की हिस्सेदारी क्रमशः 15 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत और 17 प्रतिशत से 28 प्रतिशत हो गई है।

डब्ल्यूपीएल 2024 : गुजरात जायंट्स की यूपी वारियर्स पर 8 रन से जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में सोमवार को महिला प्रीमियर लीग के 18वें मैच में निचले पायदान पर रहने वाली गुजरात जायंट्स ने कड़े मुकाबले में यूपी वारियर्स को आठ रन से हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की, जिससे वारियर्स की प्लेऑफ में जगह पक्की करने की संभावनाएं धूमिल हो गईं। पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जायंट्स ने कसान बेथ मूर्ती (52 गेंदों में 74 रन) के नाबाद अर्धशतक की मदद से, जबकि साथी सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वाईट ने 30 गेंदों में 43 रनों की पारी खेली और शुरुआती विकेट के लिए 60 रन जुटाए। लेकिन गुजरात



जायंट्स नियमित अंतराल में विकेट पर 152 रन ही बना सके। एशले गार्डनर (15) और कैथरीन ब्रास (11) दोहरे आंकड़े तक पहुंचने वाले गुजरात

के अन्य बल्लेबाज थे। सोफी एक्लेस्टोन (3-38) और दीप्ति शर्मा (2-22) ने पांच विकेट साझा किए। जीत और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए 153 रनों का पीछा करते हुए यूपी वारियर्स को शुरुआत खराब रही। उन्होंने अपनी कप्तान एलिशा हीली (4), किरण नगिरी (0) और चमारी अथापथु (0) को जल्दी-जल्दी खो दिया। दीप्ति शर्मा ने अकेले संघर्ष करते हुए 60 गेंदों में नौ चौकों और चार छकों की मदद से नाबाद 88 रन बनाए और पूनम खेमनार (26 गेंदों में 36 रन) की मदद से यूपी वारियर्स को अंत तक मुकाबले में बनाए रखा। शबनम एमडी चार ओवर में 3-11 के

साथ गुजरात जायंट्स के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुईं। दीप्ति ने 44 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और छठे विकेट के लिए 109 रन जोड़े, लेकिन प्रगति बहुत धीमी थी और यूपी वारियर्स ने अंत तक आगे बढ़ने के लिए खुद को बहुत बड़ी बाधा बना लिया। आखिरकार वे आठ रन से चूक गए। गुजरात जायंट्स ने 20 ओवर में 152/8 (लौरा वोल्वाईट 43, बेथ मूर्ती 74 नाबाद; सोफी एक्लेस्टोन 3-38, दीप्ति शर्मा 2-22) ने यूपी वारियर्स को 20 ओवर में 144/5 (दीप्ति शर्मा 88 नाबाद, पूनम खेमनार 36), शबनम एमडी 3-11) आठ रन से हराया।

विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर नार्डी ने विश्व नंबर-1 जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया

बस्टो अर्सिज़ियो (एजेंसी)। भारत के निशांत देव यहां पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में पुरुषों के 71 किग्रा क्वार्टर फाइनल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता यूएसए के ओमारी जोन्स से 1-4 से हार गए। पहले दो राउंड में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। ओमारी ने लगातार अटैक करते हुए 5-0 की अच्छी शुरुआत हासिल करने के लिए पहले राउंड में अपना दबदबा बनाया। हालांकि, दूसरे राउंड में निशांत ने कम्बैक किया और अधिक प्रभावी दिखे। ओमारी ने जवाबी हमला किया लेकिन निशांत ने 4-1 स्कोर के साथ दूसरा राउंड अपने नाम किया। अंतिम राउंड कड़ा था क्योंकि निशांत ने अपना आक्रामक प्रदर्शन जारी रखा और शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। जैसे-जैसे



लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) के साथ चार कोटा हासिल कर चुका है, जिन्होंने एशियाई खेलों में प्रभावंशाली प्रदर्शन के साथ अपनी जगह पक्की कर ली है। 23 मई से 3 जून तक बैंकॉक में होने वाले दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए भारतीय मुक्केबाजों को पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने का एक और मौका मिलेगा।

राउंड आगे बढ़ा दोनों मुक्केबाज थके हुए लग रहे थे, लेकिन जोन्स ने अंतिम 60 सेकंड का भरपूर उपयोग करते हुए दमदार अटैक किया, जिससे मैच का फैसला उनके पक्ष में हो गया। निशांत की हार से पहले भारत पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 के लिए निखल जरीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), परवीन हुडा (57 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) के साथ चार कोटा हासिल कर चुका है, जिन्होंने एशियाई खेलों में प्रभावंशाली प्रदर्शन के साथ अपनी जगह पक्की कर ली है। 23 मई से 3 जून तक बैंकॉक में होने वाले दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए भारतीय मुक्केबाजों को पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने का एक और मौका मिलेगा।

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। 20 वर्षीय इटालियन लुका नार्डी , जिन्होंने परीबा ओपन के मुख्य ड्रॉ में लकी लुजर खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया। लेकिन, इय युवा खिलाड़ी ने विश्व नंबर 1 नोवाक जोकोविच को तीसरे राउंड में दो घंटे 17 मिनट में 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर सबको चौंका दिया। पिछले हफ्ते नार्डी क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में डेविड गोफिन से हार गए, लेकिन उन्हें लकी लुजर के रूप में ड्रॉ में प्रवेश करने के लिए बुलाया गया जब अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एटचेवेरी ने ड्रॉ से नाम वापस ले लिया। वर्ल्ड नंबर 123 रैंक वाला इटालियन मास्टर्स 1000 या ग्रैंड स्लैम इवेंट में जोकोविच पर जीत हासिल करने



वाला इतिहास का सबसे कम रैंक वाला खिलाड़ी बन गया है। वह मास्टर्स 1000 में मौजूदा विश्व नंबर 1 को हराने वाले चौथे सबसे कम रैंक वाले खिलाड़ी भी हैं। नार्डी ने

कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं क्या कह सकता हूँ? कल रात में इसके बारे में सपना देख रहा था, मैं कोचों से इसके बारे में बात कर रहा था। अब यह सच है! इटालियन, जो अपने प्रदर्शन के दम पर अगले सप्ताह शीर्ष 100 में डेब्यू करने के लिए तैयार है, राउंड 16 में अमेरिकी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे। सिनसिनाटी और पेरिस में खिलाब जीतने के बाद जोकोविच का एटीपी मास्टर्स 1000 में अपनी 11 मैचों की जीत का सिलसिला टूट गया। 2018 में इंडियन वेल्स में नंबर 109 टैरो डेनियल से हार के बाद उन्हें एटीपी रैंकिंग के शीर्ष 50 के बाहर किसी खिलाड़ी से पहली हार का सामना करना पड़ा।

अगले हफ्ते शुरू हो सकता है जेएसडब्ल्यू ग्रुप और एमजी मोटर इंडिया का ज्वाइंट वेचर

5000 करोड़ के निवेश की है योजना



नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते की 20 तारीख को भारत के जेएसडब्ल्यू ग्रुप और एमजी मोटर इंडिया के ज्वाइंट वेचर की शुरुआत हो सकती है। सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है। रिपोर्ट की मानें तो दोनों कंपनियों के इस वेंचर में करीब 5,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। दोनों कंपनियां भारत में अपनी मैनुफैक्चरिंग और रिटेल फुटप्रिंट को बढ़ाने के लिए साथ आए हैं और एक ज्वाइंट वेचर पर सहमति बनी है। बता दें, आगे बढ़ाने के लिए एक साथ एक ज्वाइंट वेचर के रूप में काम करेंगी। इसके अलावा इस वेंचर से जुड़ी एक और खबर ये है कि

एएसआईसी मोटर के स्वामित्व वाली कंपनी है। कंपनियां भारत में मैनुफैक्चरिंग और सेल्स को हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इस मामले में कंपनी के सीईओ एमरेटिस राजीव चाबा के अनुसार एमजी मोटर इंडिया को निवेशक

के रूप में जेएसडब्ल्यू ग्रुप मिलने के बाद ज्यादा तेजी से ग्रोथ की उम्मीद है। उल्टे तौर पर इन्होंने कहा कि कंपनी ने भारत में अपने पहले दौर के व्यापार में टेक्नोलॉजी, कस्टमर एक्सपीरियंस, जेंडर डायवर्सिटी और कन्स्युमिटी सर्विस के आधार पर अपने पांच भारतीय बाजार में जमा लिए हैं। एमजी मोटर इंडिया अब इस डेवेलपमेंट के नेक्स लेवल पर जाने का प्लान कर रही है। बता दें, बीते साल नवंबर में चीन की सबसे बड़ी वाहन निर्माता एएसआईसी मोटर ने भारत में एमजी मोटर के ट्रांसफॉर्मेशन और ग्रोथ में तेजी लाने के लिए जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ एक ज्वाइंट वेचर एग्रीमेंट किया था। जेएसडब्ल्यू ग्रुप की इंडियन जेवी ऑपरेशन में 35 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

आईपीएल 2024 : ऋभ पंत फिट घोषित, शमी और प्रसिद्ध बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फेंस के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बड़ी खुशखबरी दी है। बोर्ड ने स्टाफ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋभ पंत को आईपीएल 2024 के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने को लेकर मंजूरी दे दी है। ऋभ पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें आगामी आईपीएल के लिए मंजूरी दे दी है। बीसीसीआई ने सोमवार को मेडिकल और फिटनेस अपडेट जारी किया। बीसीसीआई ने अपने बयान में बताया, 30 दिसंबर, 2022 को रूढ़की, उत्तराखंड के पास एक जानलेवा सड़क दुर्घटना के बाद 14 महीने के पुनर्वास से गुजरने के उपरांत ऋभ पंत को अब आगामी टाटा आईपीएल 2024 के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में फिट घोषित किया गया है। दिसंबर 2022 में बांग्लादेश में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला समाप्त होने के बाद से आईपीएल 2024 में पंत की वापसी होगी। बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और प्रसिद्ध कृणा पर मेडिकल अपडेट भी दिया, जिसमें कहा गया कि तेज गेंदबाजों की जोड़ी आईपीएल के 2024 संस्करण में नहीं खेल पाएगी।



सैमसंग ने 11 किलोग्राम एआई इकोबबल की पूरी तरह से ऑटोमेटिक फ्रंट लोड वाशिंग मशीन की नई रेंज को लॉन्च किया

गुरुग्राम (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज पूरी तरह से ऑटोमेटिक फ्रंट लोड वाशिंग मशीन एआई इकोबबल की नई रेंज को लॉन्च कर दिया है। वाशिंग मशीनों की यह नई रेंज 11 किलोग्राम सेगमेंट में पहली है जो एआई वॉश, क्यू-ड्राइवटीएम और ऑटो डिस्पेंस जैसी एडवांस्ड फीचर्स से युक्त है। इसके उपयोग से उपभोक्ताओं को कपड़े धोने में 50 प्रतिशत समय की बचत होगी, फैनब्रिक की देखभाल पहले की तुलना में 45.5% बेहतर होगी और 70 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत होगी। एआई इकोबबलज़रू सैमसंग की क्यू-बबल और क्लिक ड्राइव प्रौद्योगिकियों का समागम है, जो धुलाई को अधिक सहज और कम समय लेने वाला बनाता है। क्यू-बबल तकनीक तेजी से डिटर्जेंट प्रवेश के लिए अधिक प्रचुर और शक्तिशाली बुलबुले बनाने के लिए अतिरिक्त पानी के शॉट्स के साथ गतिशील ड्रम रोटेशन को जोड़ती है, वहीं क्लिक ड्राइव धोने के समय को 50 प्रतिशत तक कम कर देता है। ये विशेषताएं एआई इकोबबल के प्रदर्शन को बेहतर और टिकाऊ

बनाती हैं क्योंकि यह जल और ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ऑटो डिस्पेंस और एआई वॉश के साथ नई रेंज अत्यधिक सहज और स्मार्ट है। एआई वॉश फीचर कपड़ों का वजन, पानी की मात्रा, कपड़ों की नरमी, मैल की मात्रा और डिटर्जेंट की मात्रा को खुद तय करता है। इससे यह कपड़े जल्दी और अच्छी तरह से धोता है। यह पानी और डिटर्जेंट बचाता है। यह कपड़ों को नुकसान से बचाता है। सैमसंग इंडिया में डिजिटल एप्लॉइयसेस बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर पुष्प बैशाखिया ने कहा, सैमसंग में, हम ऐसी तकनीक पेश करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो न केवल सहज हो बल्कि टिकाऊ भी हो। हमने विभिन्न उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई रेंज डिजाइन की है। 11 किलोग्राम पूर्ण स्वचालित फ्रंट लोड वाशिंग मशीन सेगमेंट में हमारी पहली रेंज अत्यधिक ऊर्जा कुशल है। ऑटो डिस्पेंस, एआई वॉश और क्यू-ड्राइव जैसी सुविधाएं धुलाई को आसान और आसान काम बनाने में योगदान देती हैं।

एयरटेल ने रायपुर में सभी कर्मचारियों को ग्राहकों से साथ व्यावहारिक संपर्क के लिए फ्रंटलाइन टीमों में शामिल करके ग्राहक दिवस मनाया

रायपुर। भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारतीय एयरटेल (एयरटेल) ने आज देश में अपने सभी कार्यालय स्थानों पर ग्राहक दिवस मनाया। ऐसे सभी एयरटेल कर्मचारी, जो सीधे ग्राहकों से संपर्क बनाए रहते हुए काम करने की जिम्मेदारियों में नहीं थे, वे अपनी रोजमर्रा की भूमिकाओं से बाहर निकलकर ग्राहकों के सीधे बातचीत करने के लिए फ्रंटलाइन कर्मचारियों में शामिल हुए। देश के सभी एयरटेल कार्यालय स्थानों के कर्मचारियों ने बाजारों में होम डिलीवरी इंजीनियरों, फ़डवर एक्सक्यूटिभ्स और रिटेल कर्मचारियों के साथ काम किया। इन कर्मचारियों में शीर्ष सीनियर लीडरशिप टीम से लेकर सभी कार्यालयों के जूनियर मैनेजर तक सभी शामिल रहे। ग्राहक दिवस, एयरटेल की कई पहलों का एक हिस्सा है, जो ग्राहकों को सबसे अधिक महत्व देने के एयरटेल के सिद्धांत पर केंद्रित हैं। अपने सभी कर्मचारियों को ग्राहकों से प्रत्यक्ष मिलने-जुलने का



अवसर देकर, एयरटेल का लक्ष्य ग्राहकों के दृष्टिकोण और ग्राहकों को जरूरतों खसकर उनकी चिंताओं और सुझावों को समझकर उनका कंपनी के साथ जुड़ाव बढ़ाना है। कंपनी को विश्वास है कि ग्राहक दिवस हमारी कंपनी में विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को देखने-समझने का नया नज़रिया देगा और पूरे संगठन में ग्राहकों को अधिक से अधिक सुविधाएं देने के लिए काम करने की लगन जगाने के लिए नई मानसिकता और संस्कृति को उजागर करेगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में मिलेगा गिरीश पंकज को डॉक्टर वैदिक हिंदी भाषा सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रखर पत्रकार-चिंतक डॉ. वेदप्रताप वैदिक की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, जनपथ में जनदक्षेस और एशियाई अरब चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से 15 मार्च को दोपहर 2 बजे एक सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान साहित्यकार-पत्रकार गिरीश पंकज को डॉ. वैदिक हिंदी भाषा सम्मान प्रदान करेंगे। साहित्य भूषण और व्यंग्यश्री जैसे लखटिका सम्मानों से विभूषित गिरीश पंकज को सौ से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं इनकी बीस खण्डों वाली रचनावली का हाल ही प्रकाशन हुआ है। जिसमें कुल साठे आठ हजार पृष्ठों की साहित्यिक सामग्री है। दिल्ली के समारोह में धर्मगुरु आचार्य लोकेश मुनि को डॉ. वैदिक सामाजिक सोहार्द सम्मान, पूर्व राजदूत अशोक सज्जनहार को डॉ. वैदिक संवन्ध सम्मान और वरिष्ठ पत्रकार शक्ति व्यास को डॉ. वैदिक हिंदी पत्रकारिता सम्मान से विभूषित किया जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय अध्यक्षता करेंगे। मुख्य वक्ता होंगे पूर्व सांसद केसी ल्यागी। अति विशिष्ट अतिथि हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, पूर्व सांसद रवींद्रकुमार सिन्हा, स्वामी संपूर्णानंद, रविकांत गर्ग, नवनीत सहगल, बीएल गोड, विनीत लोहिया, घेवरचंद बोहरा एवं डॉ. आसिफ इकबाल। समारोह के निवेदक डॉ. डॉ. मणीन्द्र जैन मुख्य न्यासी जन दक्षेस और चेरमैन एशियन अरब चेंबर ऑफ कॉमर्स तथा न्यासीद्वय विपिनकुमार गुप्ता तथा धरणेंद्र जैन। डॉ. वैदिक का गत वर्ष 14 मार्च 2023 को आकस्मिक निधन हो गया था। उन्होंने हिंदी भाषा और पत्रकारिता के उन्नयन के लिए निरंतर संघर्ष किया। समासमयिक विषयों पर उनके चिंतनपरक लेख देश के विभिन्न समाचार पत्रों में निरंतर प्रकाशित होती रहे। उन्होंने संपादन में न्यूज एजेंसी पीटीआई की हिंदी सेवा भाषा शुरू हुई थी। डॉ. वैदिक विदेशी मामलों के गंभीर अध्येता थे।

राज्य खेल अलंकरण समारोह आज, मुख्यमंत्री साय प्रतिभावान खिलाड़ियों को करेंगे पुरस्कृत

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 14 मार्च को राज्य खेल अलंकरण समारोह में राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकाम वामा होंगे। कार्यक्रम में राज्य शासन द्वारा वर्ष 2019-20 के लिए शहीद राजीव गांधे पुरस्कार के लिए 06, शहीद कौशल यादव पुरस्कार के लिए 06, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 02, शहीद पंकज विक्रम सम्मान 27, शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्राफी के लिए 25 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार वर्ष 2020-21 हेतु शहीद राजीव गांधे पुरस्कार के लिए 11, शहीद कौशल यादव पुरस्कार के लिए 03, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 01, शहीद पंकज विक्रम सम्मान 16, शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्राफी के लिए 26 चयनित खिलाड़ियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लॉन्च किया बाँब अर्थ ग्रीन डिपॉजिट्स

मुंबई (विश्व परिवार)। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी ESG पहल के तहत बाँब अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट का शुभारंभ किया है, जिससे प्राप्त होने वाली आय का उपयोग विशेष रूप से पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं/क्षेत्रों के लिए किया जाएगा। भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा (बाँब) ने आज बाँब अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट योजना के शुभारंभ की घोषणा की और इस योजना के तहत प्राप्त होने वाली जमा राशि का उपयोग उपयुक्त पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं तथा क्षेत्रों की फाइनेंसिंग के लिए किया जाएगा। बाँब अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट्स के तहत, ग्राहकों को अलग-अलग समय सीमा में निवेश पर आकर्षक ब्याज दरों का लाभ उठाने के साथ-साथ भारत के हरित एवं दीर्घकालिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने का अवसर मिलता है। बैंक सालाना 7.15% तक की ब्याज दरों की पेशकश कर रहा है। आम नागरिक/निवासी भारतीय, एनआरआई एवं उच्च मालिकता वाले व्यक्ति (HNI) निवेशक बाँब अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट योजना में निवेश कर सकते हैं। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, श्री देवदत्त चांद ने कहा कि बैंक ने अपने परिवालन कार्यों में संवहनीयता को अपनाने की दिशा में काफी अधिक प्रगति की है, जिसमें जोखिम प्रबंधन, गवर्नंस व्यवस्था, सामाजिक दायित्व और पर्यावरणीय प्रभाव के प्रति हमारे दृष्टिकोण शामिल हैं। बाँब अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट योजना के शुभारंभ से निवेश करने वाले ग्राहकों को स्थायी और सुरक्षित रिटर्न पाने के साथ-साथ धरती को हरा-भरा बनाने में योगदान देने का दोहरा लाभ मिलता है। भारत के अग्रणी बैंकों में से एक होने के नाते, बैंक ऑफ बड़ौदा अपने ईएसजी मॉडेट को आगे बढ़ाने और ग्रीन फाइनेंसिंग के अपने पोर्टफोलियो के दायरे का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाँब अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट योजना में नयापन लाते हुए विशेष समयवधि की पेशकश की है, जो धरती को जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों की ओर संकेत करते हैं, जैसे कि 1.5 वर्ष की समयवधि-वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य को दर्शाती है, जबकि 1717 दिनों की समयवधि-संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों पर दोगुना बल देती है। बाँब अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का आबंटन उपयुक्त हरित परियोजनाओं/क्षेत्रों को किया जाएगा, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन, सतत जल एवं अप्रशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा कुशलता, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, प्रदूषण को रोकथाम एवं नियंत्रण, ग्रीन बिल्डिंग, जैव विविधता संरक्षण आदि शामिल हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा के मौजूदा और नए ग्राहक देश भर में बैंक की किसी भी शाखा में ग्रीन डिपॉजिट में निवेश कर सकते हैं। पिछले वर्ष बैंक ऑफ बड़ौदा के 116वां स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक ने हमारी भावी पीढ़ियों हेतु प्रकृति प्रदत्त उपहारों की सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और दायित्व को सुनिश्चित करने हेतु बाँब अर्थ को लॉन्च किया था। बाँब अर्थ ग्रीन डिपॉजिट का शुभारंभ भी इसी दिशा में बढ़ावा गया एक कदम है।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने प्रधानमंत्री सह मुख्यमंत्री आवास योजना के हिताहियों को सौपी घर की चाँबी

रायपुर (विश्व परिवार)। आवास मंत्री ने दी प्रधानमंत्री सह मुख्यमंत्री आवास योजना के हिताहियों को उनके सपनों के घर की चाबी, नवा रायपुर अटल नगर में गुंजा सबके लिए आवास का नारा, साथ ही मंडल का मॉनिटरिंग पोर्टल और अटल विहार योजना गुरुर जिला बालोद तथा सेलुद जिला दुर्ग का शुभारंभ। 13 मार्च 2024 को आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी ने प्रधानमंत्री सह मुख्यमंत्री आवास योजना के हिताहियों को उनके आवास की चाँबी हस्तांतरित किया गया। इसके अलावा मंडल द्वारा पारदर्शिता लाने मॉनिटरिंग पोर्टल (डैश बोर्ड) तैयार किया गया है जिसका शुभारंभ माननीय मंत्री जी द्वारा मंच से किया गया। लोगों की मांग और उत्सुकता को देखते हुए मंडल द्वारा किफायती दरों पर



अटल विहार योजना गुरुर जिला बालोद तथा सेलुद जिला दुर्ग का भी शुभारंभ किया गया। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी ने मौके पर लोगों के समस्याओं को भी सुना एवं त्वरित उनका निदान भी किया। अटल सुशासन मिशन में अंतर्गत विभागीय मंत्री श्री चौधरी के निर्देश पर मॉनिटरिंग हेतु डैश बोर्ड निर्माण किया गया है, जिससे मण्डल की योजना

की प्रगति को समीक्षा की जायेगी तथा प्रदेशवासियों को गुणवत्ता पूर्ण आवास प्रदान किया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सांसद लोकसभा रायपुर सुनील सोनी जी ने किया तथा अपने उद्बोधन में यह भी बताया कि देशभर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लगभग 4.5 करोड़ आवास का निर्माण कर गरीब को आर्बटि कर उन्हे पक्के मकान उपलब्ध कराया गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय विधायक आरंग गुरु खुशवंत साहेब के साथ माननीय सरपंच ग्राम पंचायत नवागांव खपरी सुजीत कुमार धिदोड़े जी, सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल सुश्री एम. संगीता, मण्डल आयुक्त अय्याज तंबोली आदि उपस्थित रहे।

पड़ोसी जिलों की सीमा सहित रेलवे स्टेशन-एयरपोर्ट पर विशेष नजर रखें एसएसटी : डॉ. गौरव सिंह

रायपुर (विश्व परिवार)। आगामी लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने व्यव अनुवीक्षण निगरानी एवं संदेहास्पद लेन-देन के संबंध में संबंधित विभागों की रेडरॉस सभाकक्ष में बैठक ली। डॉ. सिंह ने कहा कि रायपुर लोकसभा का चुनाव प्रदेश में राजधानी होने के कारण अधिक महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। रायपुर से होने वाली कार्यवाही का असर आस-पास के जिलों के साथ-साथ पूरे प्रदेश पर भी पड़ता है। अंतर जिला सीमा पर एसएसटी द्वारा विशेष निगरानी रखी जाए और संदेहास्पद लेन-देन पर जांच कर कार्यवाही करें। रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर विशेष रूप से नजर रखें और संदेहास्पद गतिविधियों की सूचना मिलने पर त्वरित कार्यवाही करें। चुनाव का काम टीम वर्क है, प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करें। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने कहा कि निर्वाचन के दौरान आचार संहिता लागू होते साथ ही धारा 144 लागू हो जाती जिसका सबको पालन करना होता है। सभी अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि निष्पक्ष रहें और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।



'पधारो रंगीलो राजस्थान' की आज रायपुर शहर में प्रदर्शनी

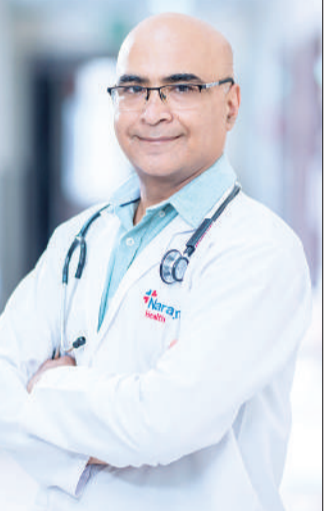
रायपुर (विश्व परिवार)। मध्य भारत की सुप्रसिद्ध 'शुभ्र' प्रदर्शनी प्रस्तुत 'पधारो रंगीलो राजस्थान' प्रदर्शनी जिसमें शाँपिंग, राजस्थानी लोक संगीत तथा जागतिक महिला दिन के उपलक्ष्य में रायपुर शहर के विविध महिला संगठनों द्वारा 'सांस्कृतिक कार्यक्रमों' का आयोजन किया जा रहा है ता.14 मार्च से 17 मार्च 2024 तक आयोजित इस प्रदर्शनी में लाईफसाइज्ड उत्पादों के स्टॉल, कपड़े, ज्वेलरी, फुटविषर, खादी हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, गिफ्ट आर्टिकल, हेल्थ प्रोडक्ट, फर्नीचर, होम डेकोर, फुड प्रोडक्ट के विभिन्न स्टॉल रखे जा रहे हैं। प्रदर्शनी में फूड के विभिन्न स्टॉल भी रहेंगे राजस्थानी नृत्य, कालबेरियम, घुमर ईत्यादी के बेहतरीन कार्यक्रम भी रखे गये हैं, जो मुख्य रूप से राजस्थान से आये लोक कलाकार प्रस्तुत करेंगे। पहले दिन ता.14 मार्च को प्रदर्शनी में आनेवाली महिला विजिटर्स को 'सरप्राइज उपहार' दिये जायेंगे। डेली लक्की ड्राँ भी निकाले जायेंगे, प्रदर्शनी में स्ट्रेज की भी सुविधा रखी गई है, जहा स्थानिक अपनी प्रतिभाएँ प्रस्तुतिया दे सकते हैं, प्रदर्शनी का उदघाटन ता.14 मार्च को शाम 5 बजे



गणमन्य अतिथियों के हाथों से किया जायेगा। इस प्रदर्शनी का आयोजन हॉटेल वूड कंसल मैग्नेटो मॉल के पास, न्ही.आय.पी. रोड, रायपुर में किया जा रहा है, यह प्रदर्शनी A/C तथा non A/C है, प्रदर्शनी का समय दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक रहेगा, 'पार्किंग' फ्री रहेगी, पहले दो दिन (14 और 15 मार्च) को प्रदर्शनी में प्रवेश फ्री रहेगा, ज्यादा रायपुर वासियों ने इस प्रदर्शनी में भेट देकर शाँपिंग तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का लाभ ले एसा निवेदन संयोजिका सौ. तृती गोविंद राठी ने किया है, प्रदर्शनी को सफल बनाने में स्थानीय महिलाओं को बड़ा सहयोग मिल रहा है, प्रदर्शनी ता.14 से 17 मार्च 2024 तक रहेगी।

एमएमआई नारायण हॉस्पिटल में विश्व किडनी दिवस पर आयोजित सर्वाइवलमीट

रायपुर (विश्व परिवार)। एमएमआई नारायण हॉस्पिटल ने विश्व किडनी दिवस के अवसर पर सर्वाइवल मीट का आयोजन किया, जिसमें डॉयलिसिस, किडनी ट्रांसप्लांट, और अन्य किडनी संबंधित बीमारियों से ठीक हुए मरीज शामिल हुए। नृत्य, संगीत, कविता, और सी.के.डी (क्रोनिक किडनी डिजीज) आहार पर पोस्टर बनाने के लिए प्रतियोगिता ने कार्यक्रम भी रखा गया था। इस खास मौके पर, सर्वाइवल मीट में प्रदर्शन हुई नृत्य, संगीत, और कविता ने इस आयोजन की शोभा बढ़ा दी। पोस्टर बनाने के प्रतियोगिता में दिखाए गए रचनात्मक पोस्टरों ने सी.के.डी महत्वपूर्ण जागरूकता बढ़ाते हुए किडनी स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण जानकारी दी। मरीजों ने डॉ. सुनील धर्माने का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें नए जीवन का आशीर्वाद



मिला है, और उनकी मेहनत सेहमे स्वस्थ जीवन मिला है एवं इस हफ्ते, एमएमआई नारायण हॉस्पिटल ने तीन सफल किडनी ट्रांसप्लांट के मामले किए हैं, जो किडनी स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में मुख्य डॉक्टरों की उपस्थिति ने न की केवल विशेषज्ञता को बढ़ावा दिया बल्कि उम्मीद और आत्मविश्वास में भी वृद्धि की। इस सर्वाइवल मीट ने किडनी स्वास्थ्य के महत्व को समझाने के साथ-साथ मेडिकल पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर किया है। एमएमआई नारायण हॉस्पिटल ने इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक बदलाव प्रेरित किया है, जिसने मरीजों को न केवल उच्चतम स्तर के इलाज से लाभामिला, उन्हें एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवन की दिशा में अग्रणी बनाया है।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन पहुंचे रायपुर, लोकसभा कार्यक्रमों की समीक्षा बैठको का दौर जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। लोकसभा चुनाव के सभी 11 प्रत्याशियों की घोषणा कर भाजपा पहले ही कांप्रेस से बढ़त बना चुकी है। भाजपा ने लोकसभा की दृष्टि से छत्तीसगढ़ को क्लस्टर में बाँटकर उनके प्रभारी की नियुक्ति की है। साथ ही लोकसभा चुनाव की दृष्टि से विभिन्न समिति का गठन कर उनका कार्य विभाजन किया गया है व जनता के बीच जाकर उनके घरों में झंडा लगावने, दीवार लेखन, मेरा परिवार मोदी परिवार, व विकसित भारत अभियान के तहत लोगों से मिलकर घोषणा पत्र के सुझाव एकत्र करना शामिल है। साथी प्रत्येक वृथ में 370 वोटों की बढ़त के लक्ष्य पर बैठक में जोर दिया गया। आज चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक, सहसंयोजक, संभाग प्रभारी, क्लस्टर प्रभारी, महामंत्री की बैठक लेकर प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, महामंत्री संगठन पवन साय ने समिति के कार्यों की समीक्षा की व लाभाध्य सम्मेलन के कार्य योजना तैयार की। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष लाभाध्य संयुक्त अभियान प्रारंभ कर रही है जिसके तहत छत्तीसगढ़ के 40 लाख लाभाध्यियों



तक प्रदेश के 125000 कार्यकर्ता पहुंचेंगे। इस अभियान में प्रदेश अध्यक्ष का लेकर वृथ स्तर के कार्यकर्ता प्रत्येक वृथ शक्ति केंद्र मंडल जिलों में जाएंगे व लाभाध्यियों से चर्चा कर मोदी जी के कार्यों देश में हुए सकारात्मक परिवर्तन की चर्चा करेंगे और उनके विचार जायेंगे। बैठक में प्रदेश सहप्रभारी नितिन नवीन, प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव, महामंत्री संगठन प्रबन्धन साय, लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक शिवरतन शर्मा, सरला कोसरिया, भूपेंद्र सिंह सक्नी, महामंत्री संजय श्रीवास्तव, रामजी भारतीय, भरत वर्मा, निरंजन सिन्हा, जगन्नाथ पाणिग्रही, रजनेश सिंह, अनुराग सिंहदेव उपस्थित थे।

श्रीमंत झा ने इटली पैरा आर्मेसलिंग चैम्पियनशिप में जीता सिल्वर मेडल, भारत के शहीद जवानों को मेडल दिया समर्पित



रायपुर (विश्व परिवार)। श्रीमंत झा अब तक 45 अंतर्राष्ट्रीय मेडल जीत चुके हैं। छत्तीसगढ़ के श्रीमंत झा ने एक बार फिर भिलाई सहित छत्तीसगढ़ का नाम पूरे देश में रोशन किया। आर्मेसलिंग चैम्पियनशिप में श्रीमंत झा ने सिल्वर मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। श्रीमंत झा एशिया के एकमात्र और विश्व के तीसरे नंबर के पैरा आर्मेसलिंग खिलाड़ी हैं। इटली में आयोजित इटली पैरा आर्मेसलिंग चैम्पियनशिप में श्रीमंत झा ने सिल्वर मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। 08 मार्च से 10 मार्च के बीच इटली में इटली पैरा आर्मेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एशिया के पहले और भारत के तरफ से श्रीमंत झा ने पीआईयूएच वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए झा ने क्वार्टर फाइनल में इटली खिलाड़ी बोजो बोर्गुगोविक को हराया और सेमीफाइनल में उन्होंने यूक्रेन के खिलाड़ी माटेओ पेट्रोविक को एक प्रभावशाली मुकाबले में हराया। विक्टर ब्रेचेनिया ने श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता, श्रीमंत झा ने अपने जीते हुए पदक को देश के लिए शहीद जवानों के नाम समर्पित किया है, श्रीमंत झा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय जिनसे इटली एंड पावर के अध्यक्ष नवीन जिंदल, पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी और महासचिव लक्ष्मण सिंह भंडारी और चेयरमैन सुरेश बेब को दिया है, श्रीमंत झा ने कहा कि कोच और फिटनेस कोच ब्रह्म जैन और राजू साहू ने दो महीने पहले छत्तीसगढ़ में जो काम किया, उससे मुझे यह पदक पाने में मदद मिली।

अग्निवीर थल सेना में चयनित युवाओं का आज होगा सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय थल सेना अग्निवीर के रूप में छत्तीसगढ़ के 1304 युवाओं का चयन हुआ है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के युवाओं ने अग्निवीर बनने के लिए कड़ी मेहनत की, लिखित और शारीरिक दक्षता की परीक्षा उत्तीर्ण की, अब वे देश की सेवा कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने जा रहे हैं। वर्ष 2022 में प्रदेश के 434 युवाओं का और वर्ष 2023 में 870 युवाओं का चयन अग्निवीर थल सेना के लिए हुआ है। प्रदेश के इन सभी चयनित अग्निवीर युवाओं के सम्मान में राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक भवन में 14 मार्च को सुबह 9 बजे सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है।

एम/एनएस इंडिया द्वारा देतेवाड़ा के ग्राम पंचायतों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

एम/एनएस इंडिया द्वारा प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत 443 महिलाओं और किशोरियों को सेनेटरी नैपकिन का वितरण



एम/एनएस इंडिया द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं एवं किशोरियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का प्रयास



रायपुर (विश्व परिवार)। AM/NS इंडिया के सीएसआर टीम किरंदुल द्वारा देतेवाड़ा के मादड़ी, पैना, फूलपाड़, किरंदुल, टिकनपाल, समेली गांवों में आगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से 443 किशोरियों और महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया। इसके साथ ही यहां महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। लाभाध्यियों ने अपने द्वारा अपनाए गए मासिक धर्म की स्वच्छता के तरीके को टीम के साथ साझा किया। इस दौरान सीएसआर की टीम द्वारा उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता बनाए रखने के महत्व और सही तरीकों के बारे में बताया गया। AM/NS इंडिया महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है जैसे महिलाओं से उनके मासिक धर्म स्वच्छता के प्रबंधन के लिए खुलकर चर्चा कर उनकी

समस्याओं का हल निकालना एवं मासिक धर्म से जुड़ी उचित जानकारीयों प्रदान करना। AM/NS इंडिया कंपनी के द्वारा लगातार सामाजिक कार्य किये जा रहे हैं जिनमें विशेष रूप से स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा, स्पोर्ट्स एवं रोजगार के क्षेत्र शामिल हैं। एएम/एनएस द्वारा किये जा रहे इन सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचाना है जिसके परिणामस्वरूप एक स्वस्थ जागरूक एवं सुरक्षित समाज का निर्माण हो सके।